नामुमकिन डिलीवरी · 3

वापस भेजिए, प्लीज़

LinguAula

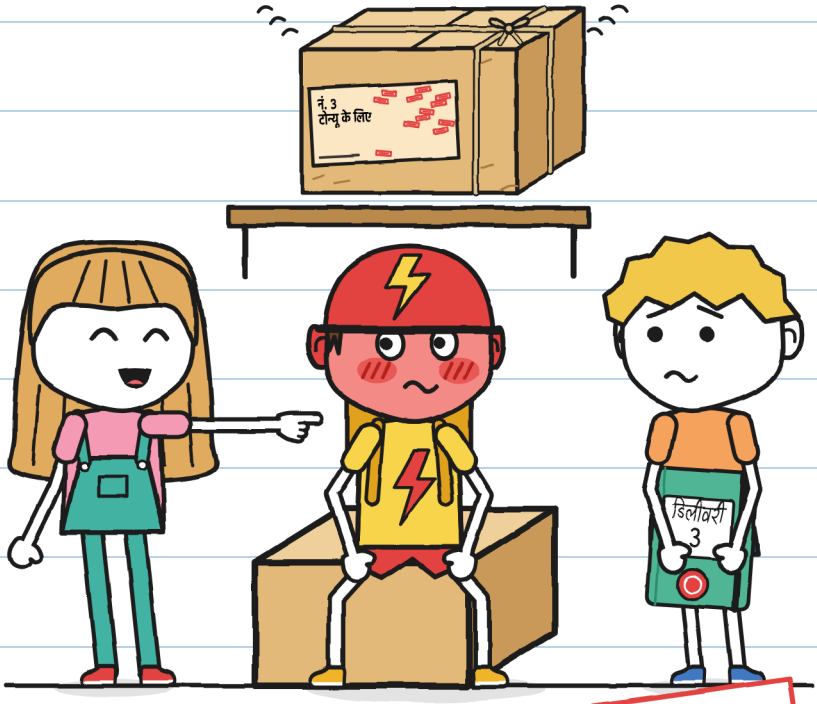

(मुनी की)

साइज़ XS
पहली बार पढ़ना · 5+

नामुमकिन डिलीवरी · 3
वापस भेजिए, प्लीज़

लेखन और चित्र: LinguAula

साइज़ XS · पहली बार पढ़ना · 5+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 LinguAula · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

तीसरी किताब।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

किसी को चोट नहीं लगी। हाँ, लाल ज़रूर हुआ। —ज.

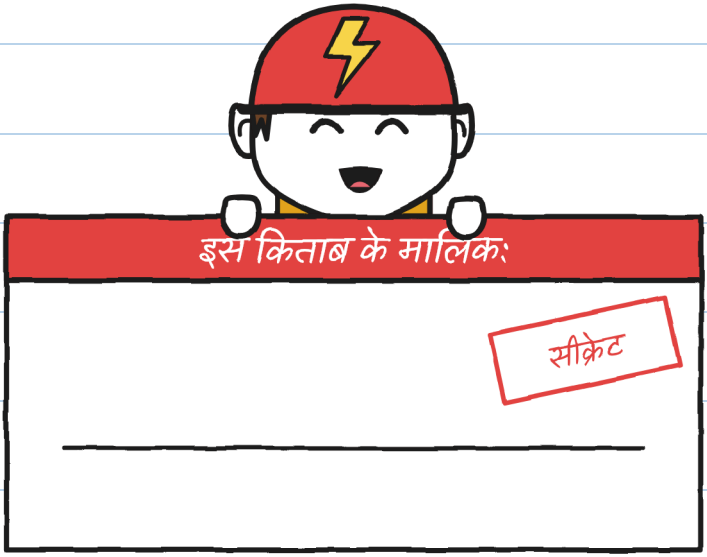

पहले मैं पढ़ती हूँ। –ज.

अगर यह तुम्हें मिल जाए,
तो लौटा देना। प्लीज़।

सिर्फ़ कहानी में

असली साइकिलः पेज 76। –ज.

कौन कौन है

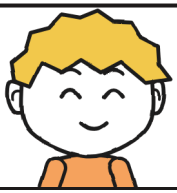

गुनी चित्र बनाता है।

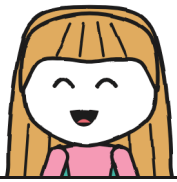

जूलिता हरे रंग से लिखती है।



टोन्यो लाल हो जाता है।



मारा, जादूगरनी।



ज़ोई निकनेम रखती है।



ब्रूनो एक बार पंक्चर हुआ था।



नं. 3 बजता है।



R. बिना नाम का।

डिलीवरी डायरी 3
गुनी की

"सीक्रेट": इसे पहले मैं पढ़ती हूँ। –ज.

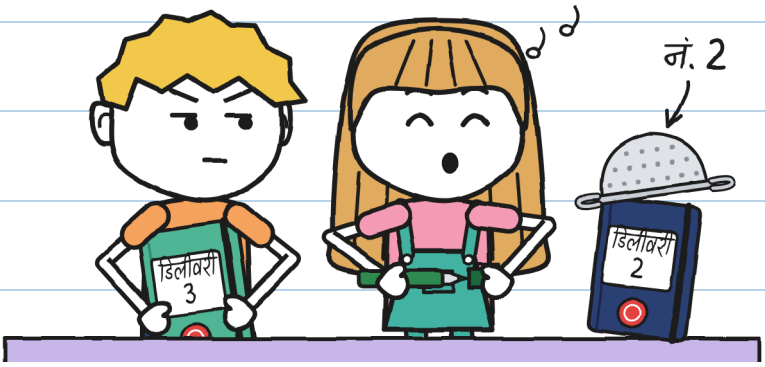

डायरी नंबर 2 ख़त्म हो गई। यह वाली हरी है। इसे पहले जूलिता ने इस्तेमाल किया।

तुम्हारी मदद के लिए। शुक्रिया नहीं चाहिए। –ज.

मैंने मदद नहीं माँगी थी।

अध्याय 1

टिन-टिन

मारा उन पार्सलों को रखती
हैं जिन्हें कोई नहीं पहुँचाता।
तूफ़ान की रात एक पार्सल बज उठा।
टिन-टिन।

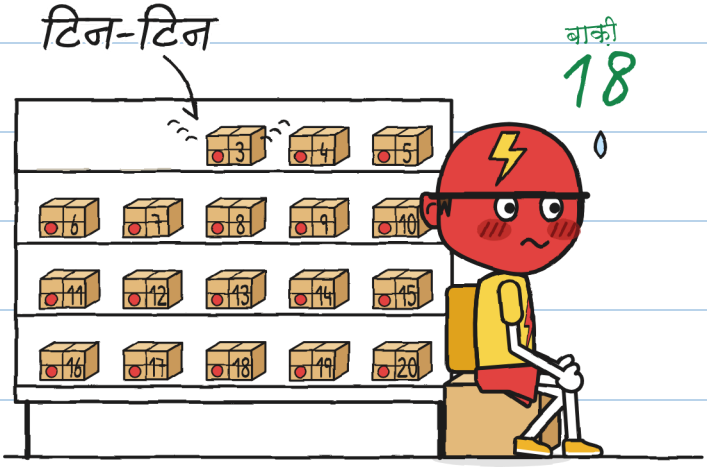

वह नं. 3 था। टोन्यो लाल हो गया।

बिना दस्तख़त के वापस आया पार्सल
उड़कर लौट आता है। सिर्फ़ उसके
दस्तख़त चलते हैं जिसे पार्सल मिला है।

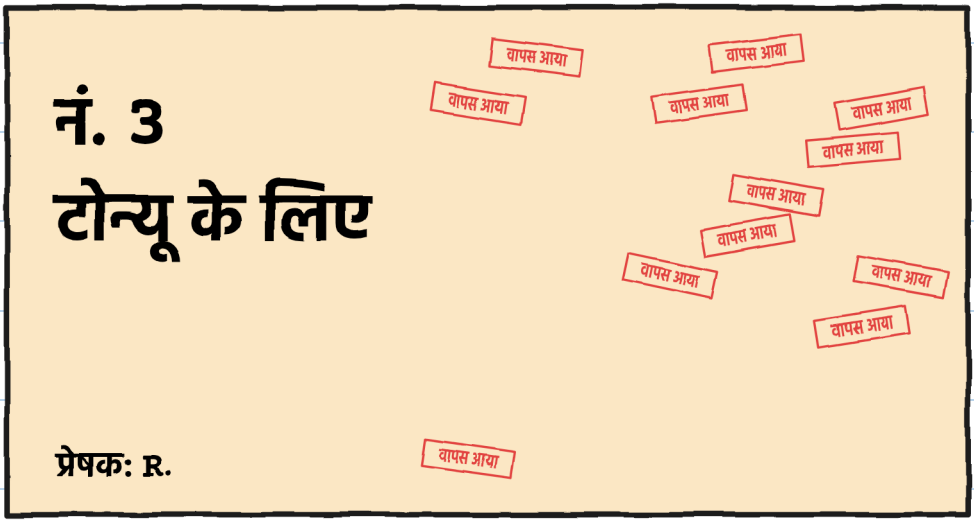

जूलिता ने पढ़ा: "टो..."
वह चुप हो गई। टोन्यो लाल हो रहा था।

मैंने आधा शब्द पढ़ा। –ज.

टोन्यो हिस्सों में लाल होता है।

टोन्यो का लाल-मीटर

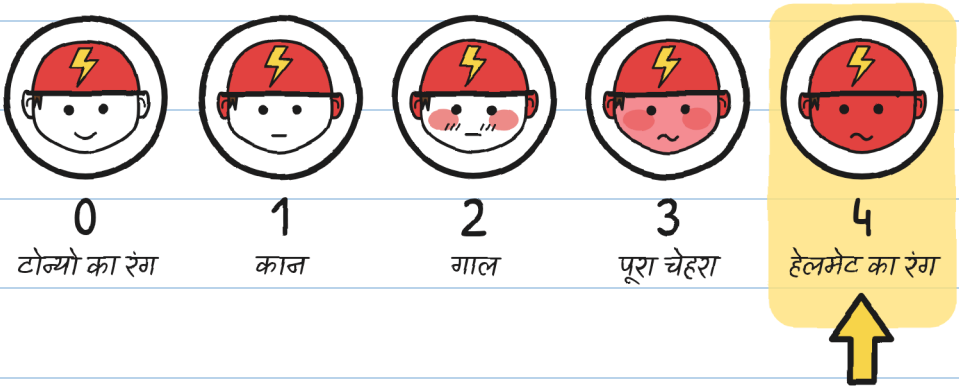

"वह पार्सल इंतज़ार कर
सकता है," टोन्यो ने कहा।
"बिजली" को कोई जल्दी नहीं है।
पहली बार "बिजली" इंतज़ार कर रही थी।

उस रात: 4। सिर्फ़ हरा। –ज.

“आज कुछ नहीं खुलेगा,” मारा ने कहा।
वह फिर बजा: टिन-टिन!
“वह दरवाज़ा था!” जूलिता ने कहा।
जब मुझे कुछ समझ नहीं
आता, मैं एक लिस्ट बनाता हूँ।

टिन-टिन के संदिग्ध

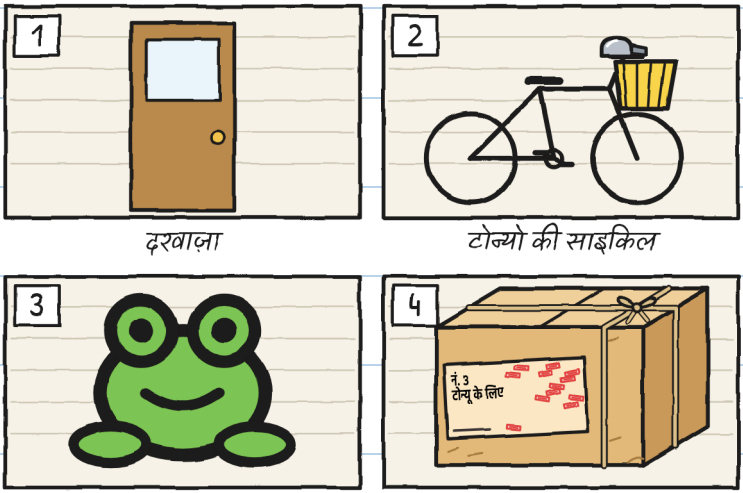

दरवाज़ा
टोन्यो की साइकिल
रबर का मेंढक
नं. 3

मेंढक बेक़सूर है। –ज.

मैंने फ़ुटपाथ पर आवाज़ें आज़माईं।

दरवाज़ा, बेल, मेंढक: चर्रर्र, ट्रिंग!, पीं।

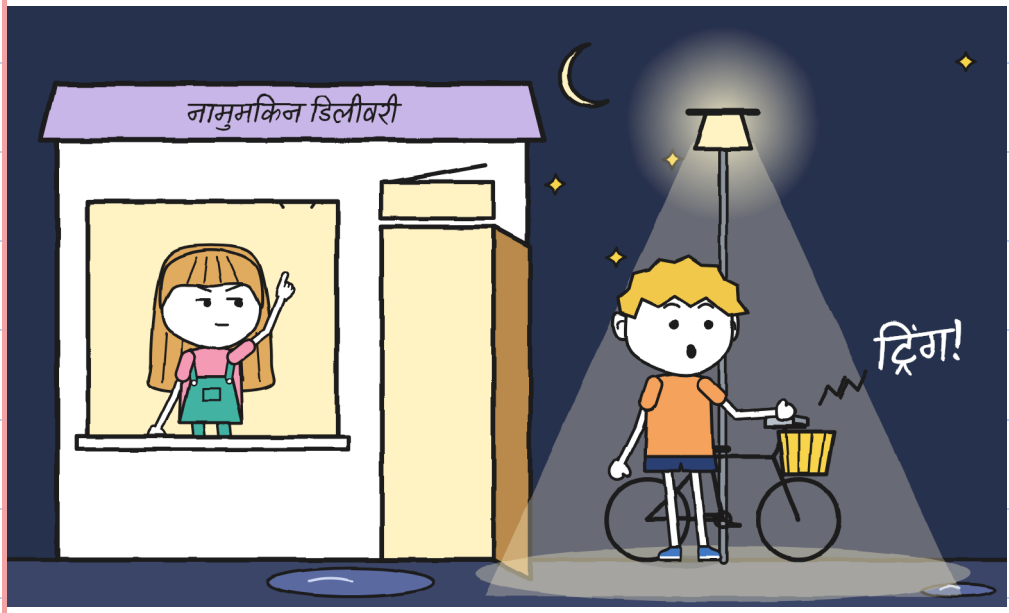

कोई आवाज़ वैसी नहीं थी। टोन्यो हिला।

टिन-टिन।

टोन्यो का बक्सा शेल्फ़ को छू रहा था।

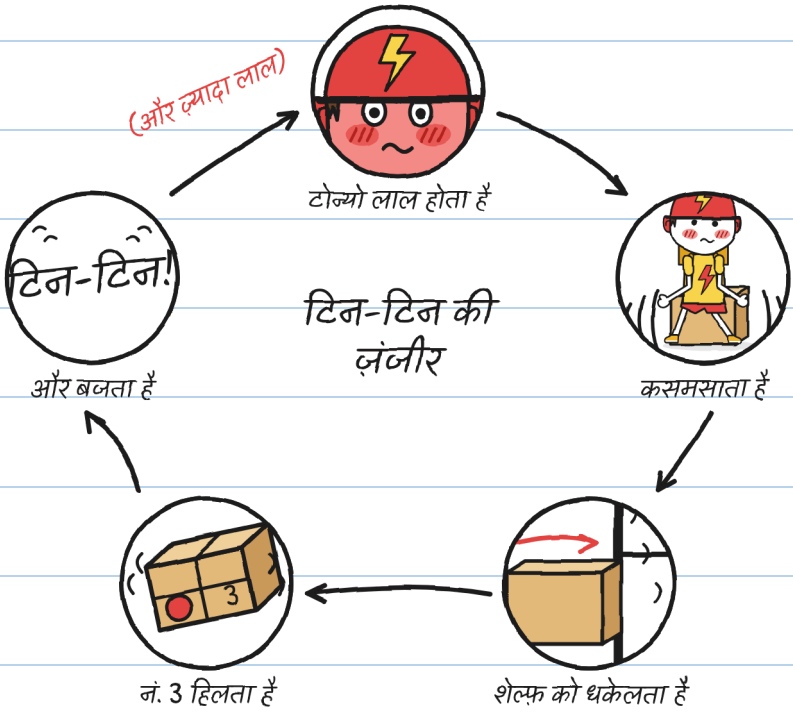

जादू नहीं था। टोन्यो था।

पार्सल के अंदर कुछ बजता है।

मेरी तरह। –ज.

टोन्यो ने बिना हिले-डुले बैठे रहने का फ़ैसला किया। वह इतनी देर चला:

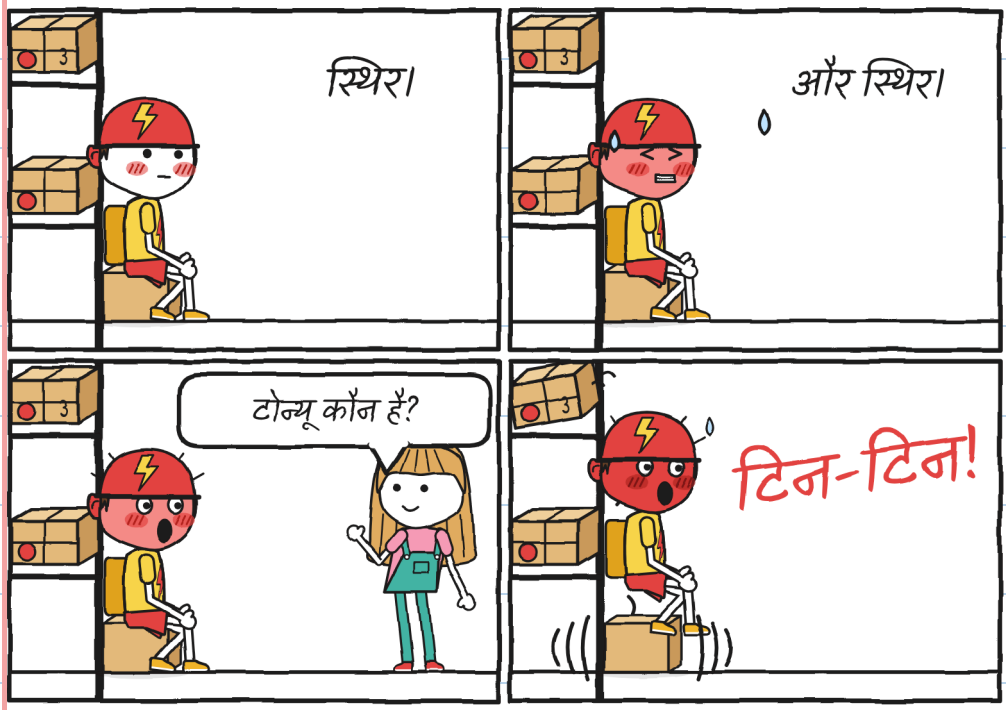

सवाल शेल्फ़ को धक्का नहीं देते। –ज.

यह वाला देता है।

“वह मैं था,” टोन्यो ने
कहा। “जब मैं छोटा था।”
जूलिता के पास बहुत सवाल
थे। उसने मुँह बंद कर लिया।

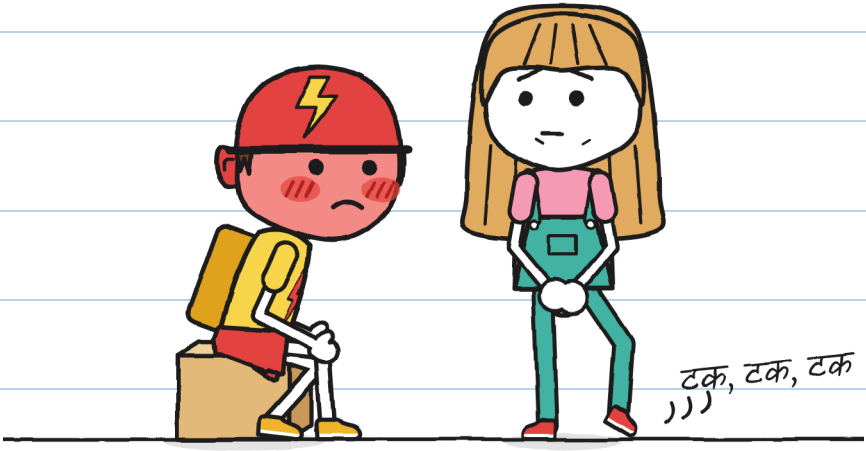

“मैं और नहीं पूछ रही,” जूलिता ने कहा।
उसका पैर हिल रहा था।

जो सवाल नहीं पूछेः नौ। –ज.

“आप इसे उसके पास क्यों
नहीं ले गईं?” मैंने पूछा।
“बारह बार ले गई। न
सड़क, न नंबर, न सरनेम।”

मारा के टोन्यू

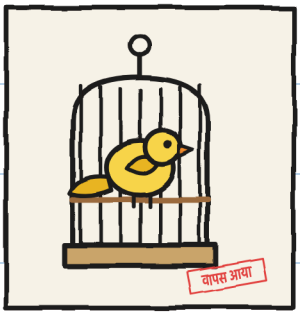

1. एक कैनरी।
(नहीं चलेगा।)



2. दादा अंतोनियो, 71 साल।
(“काश मैं होता।”)



3. नहर की एक नाव।
(उसके हाथ नहीं हैं।)

“और टोन्यो?” जूलिता ने पूछा।
“किसी ने मुझे उसका नाम
नहीं बताया,” मारा ने कहा।

मारा ने नं. 3 ढक दिया। उन्होंने
टोन्यो का बक्सा दूर कर दिया।
"अब तुम हिल सकते हो।"

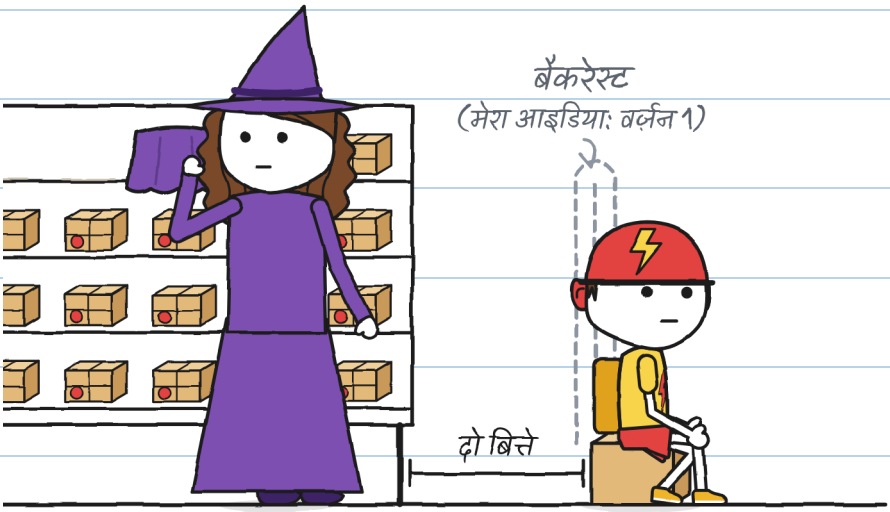

टोन्यो साइकिल से जा
सकता था। वह फिर बैठ गया।

किसी ने बैकरेस्ट नहीं माँगा। –ज.

“कल आऊँगा,” टोन्यो ने कहा।

“अकेले में। ‘बिजली’ का कोई नहीं।”



पार्सल टोन्यो के लिए था।

क्या वह उसे चाहता था?

उसकी मदद कैसे करनी है, यह मुझे पहले से पता है। –ज.

मुझे इसी बात की चिंता है।

अध्याय 2

मैंने हाँ नहीं कहा

रविवार को दुकान बंद रहती है।
टोन्यो ग्यारह बजे आया। उसने दोनों
तरफ़ देखा। "बिजली" का कोई नहीं था।

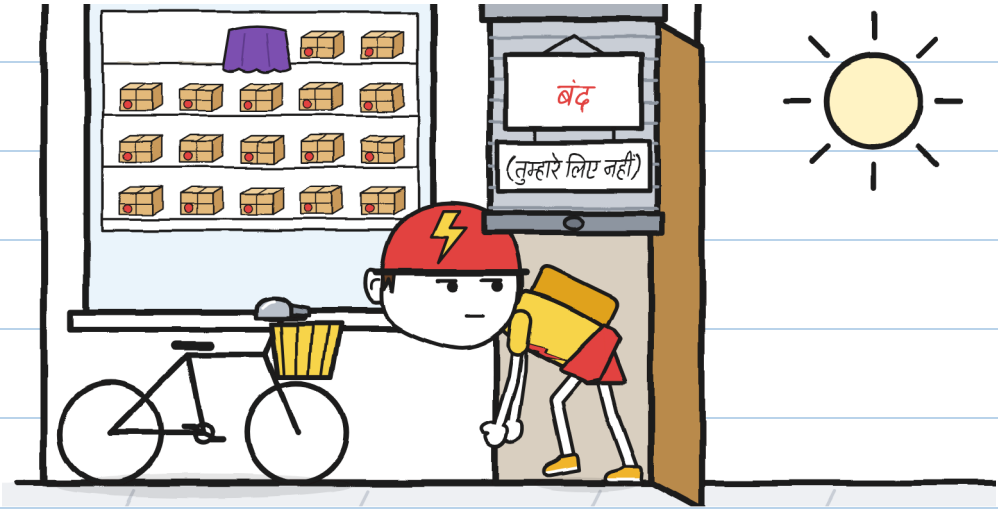

हम पहले आ गए थे। कहीं ज़रूरत पड़ जाए तो। –ज.

माया ने नं. 3 काउंटर पर रखा।

“क्या तुम इसे लेना चाहते हो?”

“मैंने हाँ नहीं कहा।”

“ना भी तो नहीं कहा।”

“मैंने कहा: ‘मैंने हाँ नहीं कहा।’”



दस्तख़त न करने के लिए तीन वाक्य। –ज.

टोन्यो ने डिब्बा गर्म पतीले की तरह पकड़ा।

टिन-टिन।

उसने उसे छोड़ दिया।

“अगर वह इसे ले जाए?” जूलिता ने कहा।

“मुहर स्याही से चलती है,” मारा ने कहा।

क्या यह डिलीवरी मानी जाएगी?		
	उसे देखना	नहीं
	उसे पकड़ना	नहीं
	उसे घर ले जाना	नहीं
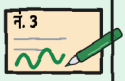	स्याही से दस्तख़त करना	हाँ

हम एक तरह से नहीं सोचते। –ज.

“यह डिलीवरी तुम्हारी है,” मारा ने कहा।

तीन शर्तें:

1. डिब्बा बंद।
2. टोन्यो माँगे।
3. चाहे तो दस्तख़त करे।

“और अगर वह कभी न माँगे?”

“तो कभी नहीं।”

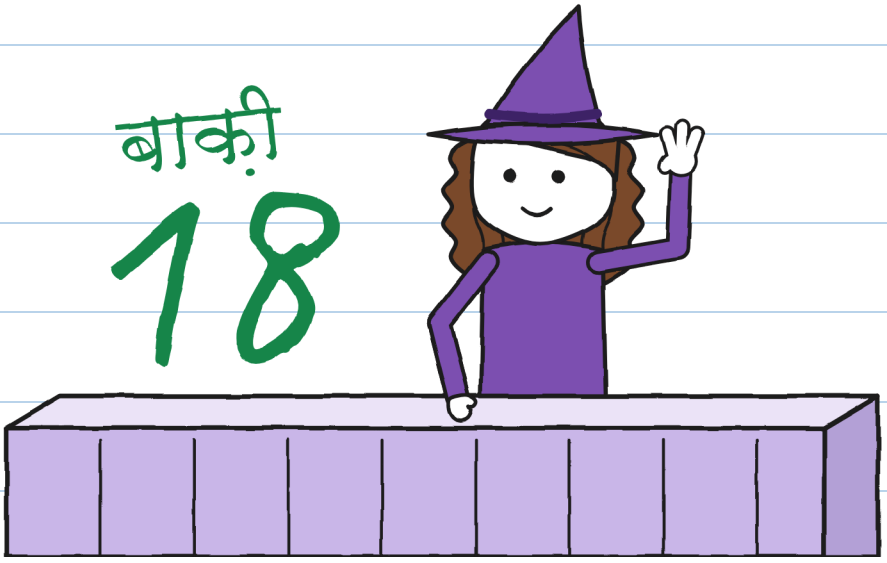

टोन्यो चार मिनट चुप रहा। “बिजली”
के हिसाब से लगभग आधी डिलीवरी।
“मैं इसे ले जाता हूँ, बंद ही,” टोन्यो ने कहा।
“माँग तुम रहे हो?”
“माँग मैं रहा हूँ।”
मैंने लिख लिया कि वह कैसे गया:

रवानगी की पर्ची

- [x] डिब्बा: बंद
- [x] लेबल: चिपका हुआ
- [x] माँगने वाला: टोन्यो
- [ ] दस्तख़त: अभी नहीं

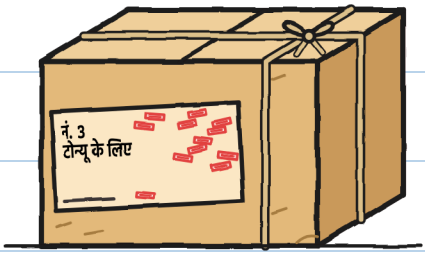

बाहर टोन्यो ने नं. 3 टोकरी
में रखा। वह बजा: टिन-टिन।
टोन्यो ने "बिजली" की बेल को देखा।
"क्या?" जूलिता ने पूछा।
"कुछ नहीं।"



"कुछ नहीं" असल में "कुछ" था। –ज.

मैंने "बिजली" की दो साइकिलें देखीं।
"टोकरी में क्या है?" एक लड़की चिल्लाई।
"एक डिलीवरी।"
उसने झूठ नहीं बोला। उसने
लेबल अपनी तरफ़ घुमा लिया।



अब समझ आया: "बिजली" का कोई नहीं। –ज.

उस रात मैंने परदा ऊपर छोड़ दिया। मैं
देखना चाहता था कि नं. 3 लौटता है या नहीं।

"जाग क्यों रहे हो?" मम्मी ने कहा।
"एक पार्सल की निगरानी कर रहा हूँ।"
"पजामा पहनकर निगरानी करना।"



सुबह होते ही नं. 3 सुनाई दिया।
टिन-टिन, टिन-टिन, टिन-टिन।
वह छतों के ऊपर उड़कर लौट रहा था।

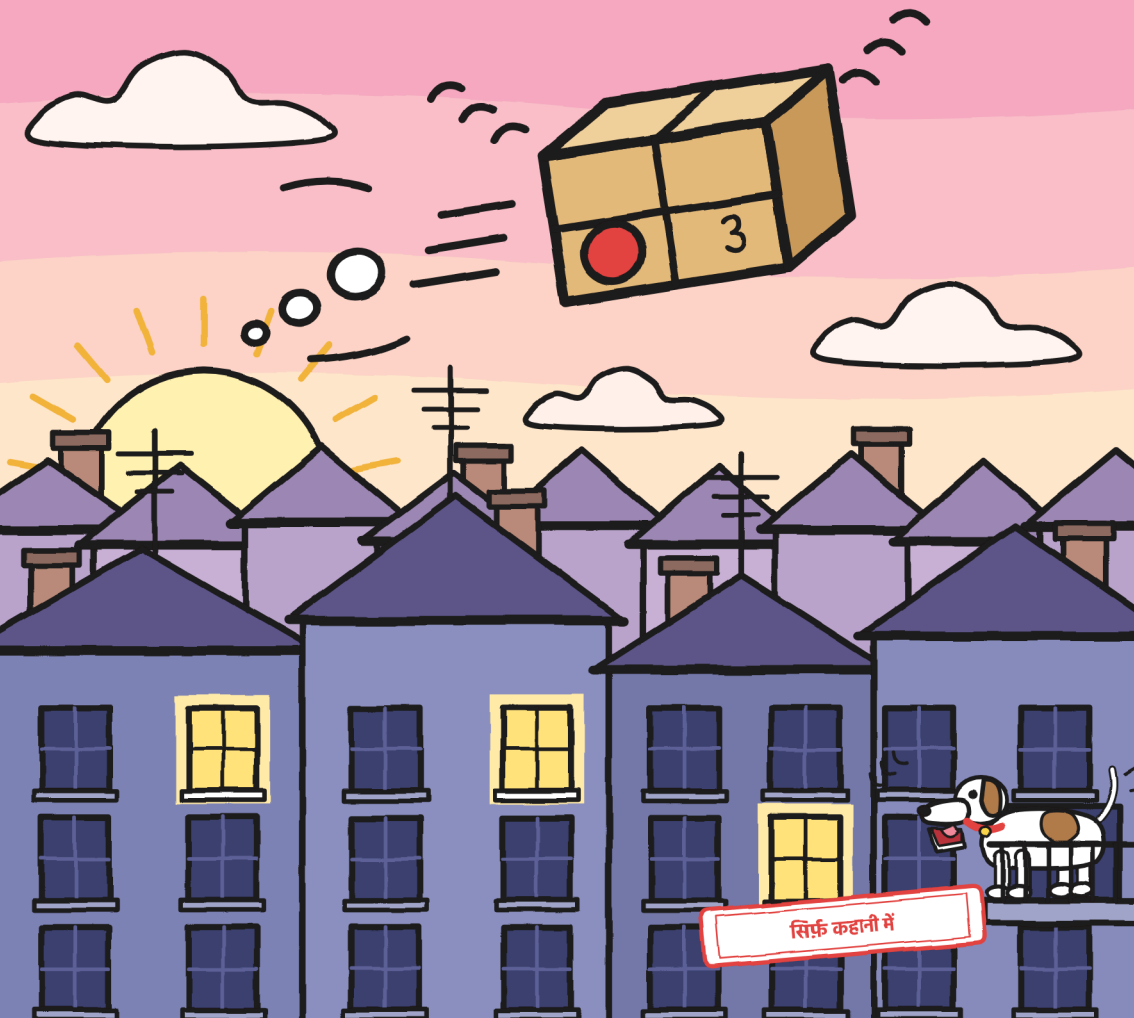

हम दुकान गए। नं. 3 अपने शेल्फ़ पर था।

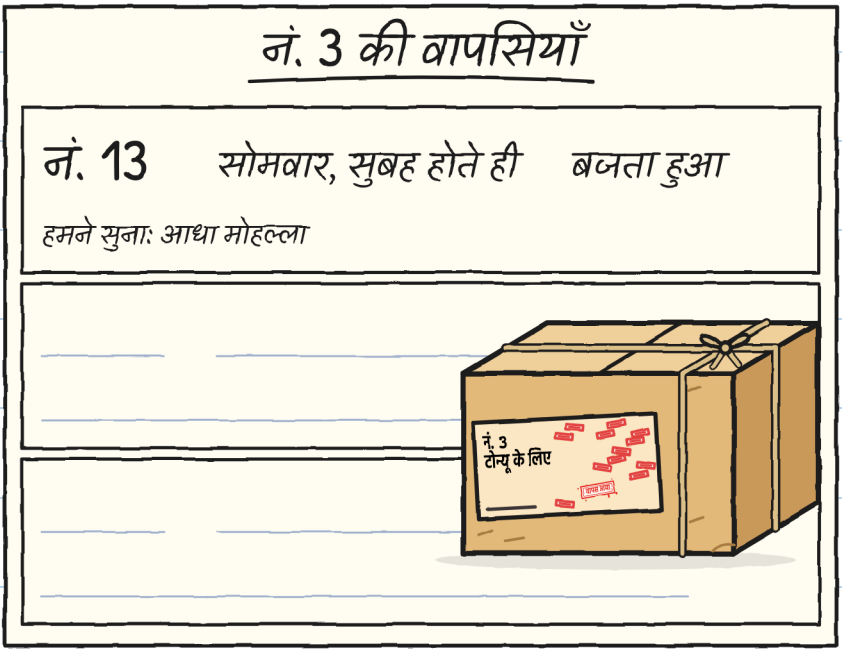

"यह सज़ा नहीं है," मारा ने कहा।
"यह नियम है। किसी ने दस्तख़त
नहीं किए: वह लौट आता है।"

अब तेरह मुहरें हैं। –ज.

टोन्यो डिलीवरी के बाद आया।

उसने नं. 3 के बारे में नहीं पूछा।

मुझे टोन्यो ने बताया:

टोन्यो ने क्या बताया



“मैंने डिब्बा बाहर छोड़ दिया।”

“क्यों?” जूलिता ने पूछा।

“घर में मुझे टोन्यू कहते हैं।”

“एक दस्तख़त से सब ठीक हो जाता,”
जूलिता ने कहा। “दो सेकंड लगते हैं।”
मैंने डायरी खोली। मैंने
बॉलपेन से दबाकर लिखा:

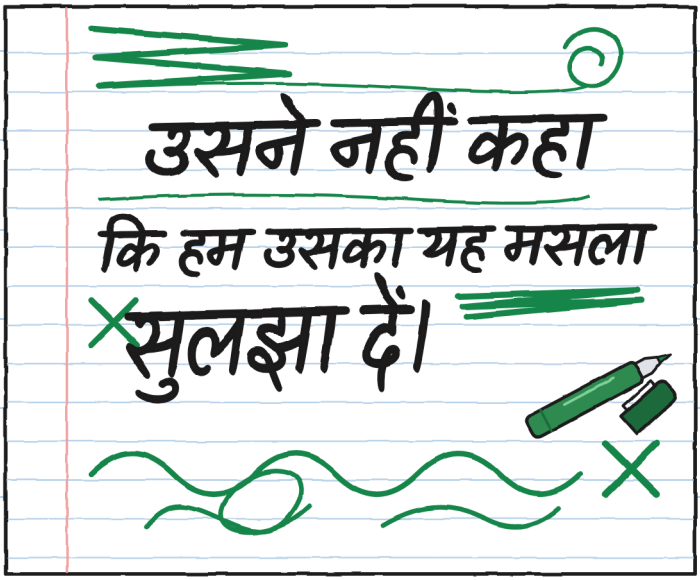

मैं सहमत नहीं हूँ। –ज.

मेरे पास एक और आइडिया है। –ज.

अध्याय 3

ऑटोग्राफ़

मंगलवार को मैंने फ़ुटपाथ पर एक मेज़ देखी।



“यह ऑटोग्राफ़ का स्टैंड है,” जूलिता ने कहा।

“कब से?”

“कल से।”

स्टैंड पर एक शीट थी, छोटी खिड़की वाली।
वह नं. 3 था, लिटाया हुआ।

यह कैसे चलता है

1. शीट
2. मेज़पोश
3. लेबल
4. लेबल पर दस्तख़त

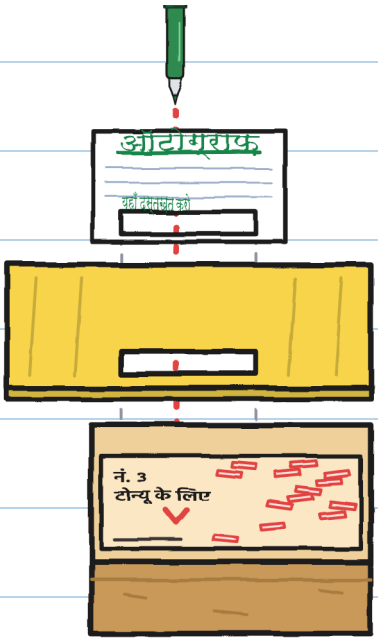

"मेरे मार्कर से," जूलिता ने ख़ुश होकर कहा। "कल नं. 3 नहीं लौटेगा। सरप्राइज़!"

“टोन्यो ने नहीं कहा,” मैंने कहा।

“और मारा?”

“मैंने कह दिया: ‘ऑटोग्राफ़ की मेज़।’”

मैंने उसे फ़्लोरा की याद दिलाई।

“वह और बात थी,” जूलिता ने कहा।

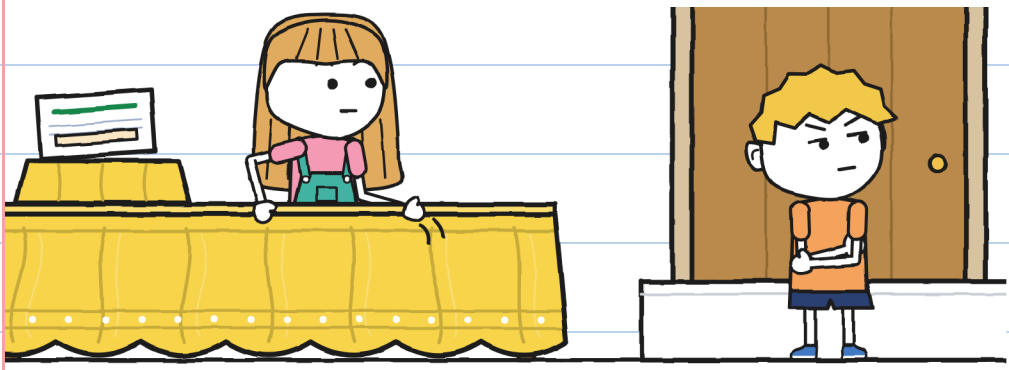

बहुत गंभीर। किसी काम नहीं आया। –ज.

"बिजली" पाँच बजकर दस मिनट पर
गुज़रती है। तीन लोग, एक के पीछे एक।

"बिजली" के कार्ड

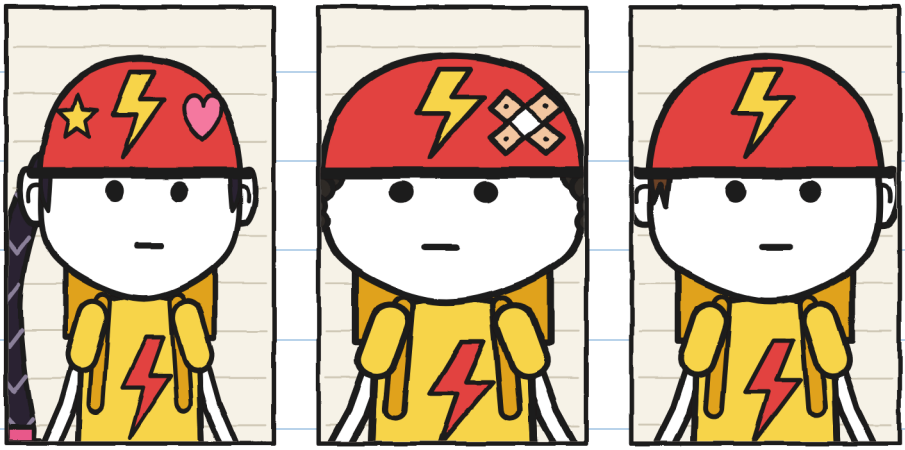

ज़ोई, "रॉकेट":
सबसे तेज़।
निकनेम वही रखती है।

ब्रूनो, "पंक्चर":
एक बार पंक्चर हुआ था।
दो साल पहले।

टोन्यो:
कोई निकनेम नहीं।
अभी तक।

"ऑटोग्राफ़? हमारे?" ज़ोई ने कहा।
उसने ब्रेक लगाया और उतर गई।

किसी ने उनसे ऑटोग्राफ़ नहीं माँगा। –ज.

ज़ोई ने "ब्रूनो" काटकर "पंक्चर" लिख दिया।

"'बिजली' में निकनेम

नहीं हटते," ब्रूनो ने कहा।

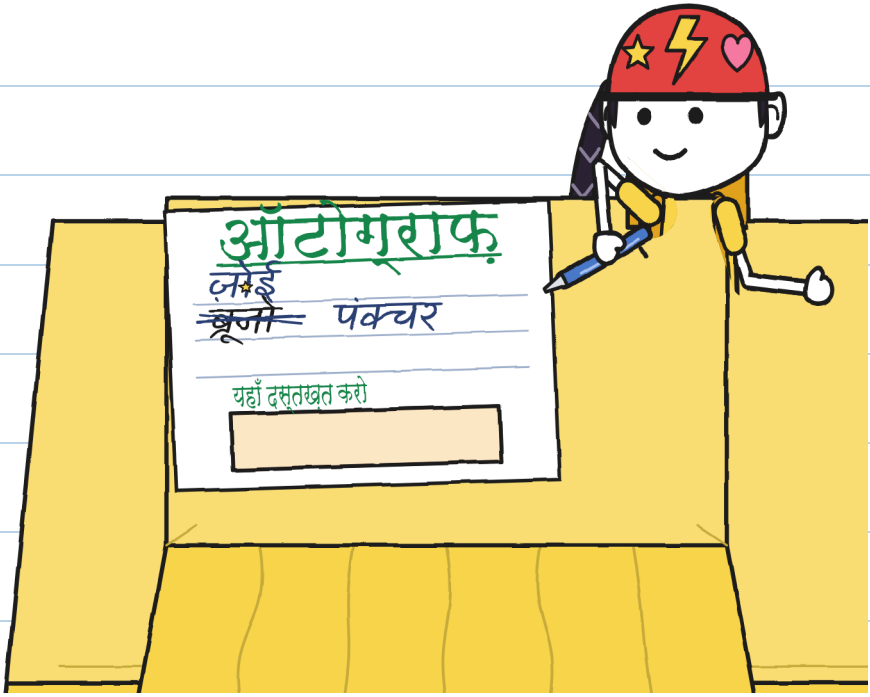

टोन्यो साइकिल पर था।

वह मेज़ को देख रहा था।

“अब तुम्हारी बारी, टोन्यो,” जूलिता ने कहा।
उसने उसे अपना हरा मार्कर दिया।
टोन्यो साइकिल से उतरा
और सीधा खड़ा हो गया।

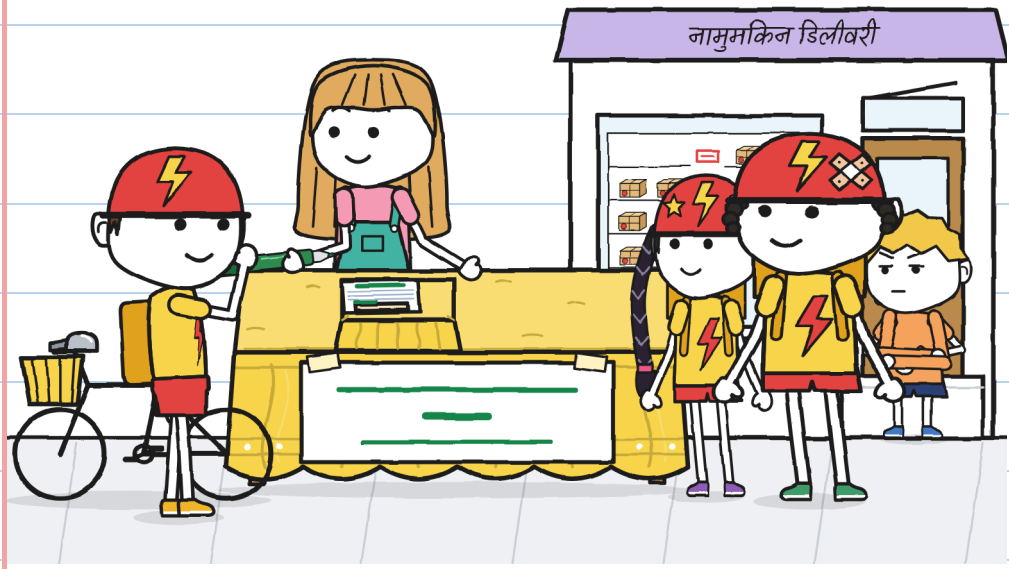

मैं सीढ़ी से सब देख रहा था। और चुप रहा।

मैं उठा।

“टोन्यो, रु...”

मैंने देर कर दी: मेज़पोश के नीचे कुछ बज उठा।



टोन्यो ने मेज़पोश उठाया।

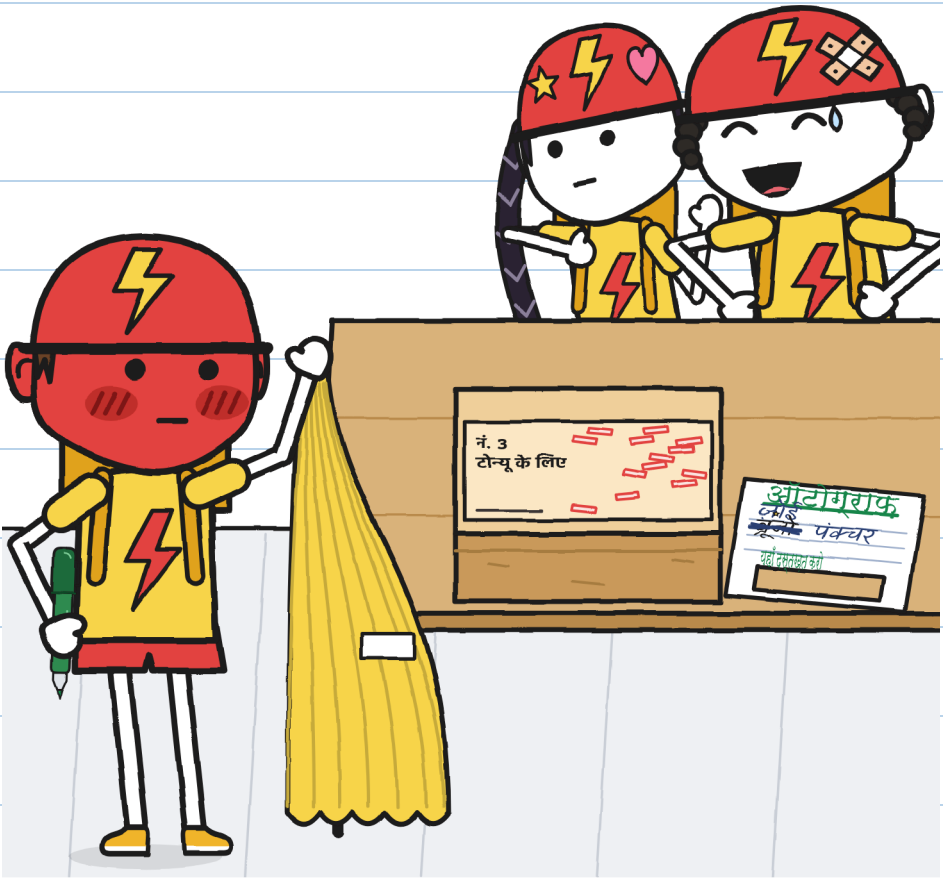

“टो-न्यू के लिए,” ज़ोई ने पढ़ा।

“टोन्यू?” ब्रूनो हँस पड़ा। ज़ोई नहीं।

टोन्यो ने मार्कर की टोपी लगा
दी। उसने दस्तख़त नहीं किए।
“‘बिजली’ किसी जाल
पर दस्तख़त नहीं करती।”



वह ग़ुस्से से लाल था, शर्म से नहीं।

उसके लिए कोई नंबर नहीं है। –ज.

माशा ने नं. 3 को बैंगनी कपड़े से ढक दिया।
"यह पहुँचाया नहीं गया," उन्होंने
कहा। "यह टोन्यो का मामला है।"



वे बेल बजाए बिना चले गए।

मैंने जूलिता को सामान समेटने में
मदद की। दो दस्तख़त और एक छेद।
“मैंने ख़बर देर से दी,” मैंने कहा।



जूलिता ने मारा को सब बता दिया।
“टोन्यो को तुम ख़ुद बताओगी,” मारा ने कहा।

बुधवार को टोन्यो बिना रुके गुज़रा।
जूलिता एक काग़ज़ लिए खड़ी थी।

माफ़ीनामा

मैंने तुम्हारा पार्सल बाहर निकाला।
मैंने तुम्हें चकमा देना चाहा।
मैंने तुम्हारा लेबल दिखा दिया।
माफ़ करना।
–जूलिता

टोन्यो ने काग़ज़ साइकिल से पढ़ा।
"क्या तुम मुझे माफ़ करते हो?"
"मैंने पढ़ लिया।"

मैंने पूरा नाम लिखकर दस्तख़त किए। –ज.

अध्याय ५

एक छोटी साइकिल

टोन्यो एक छोटी साइकिल लाया।

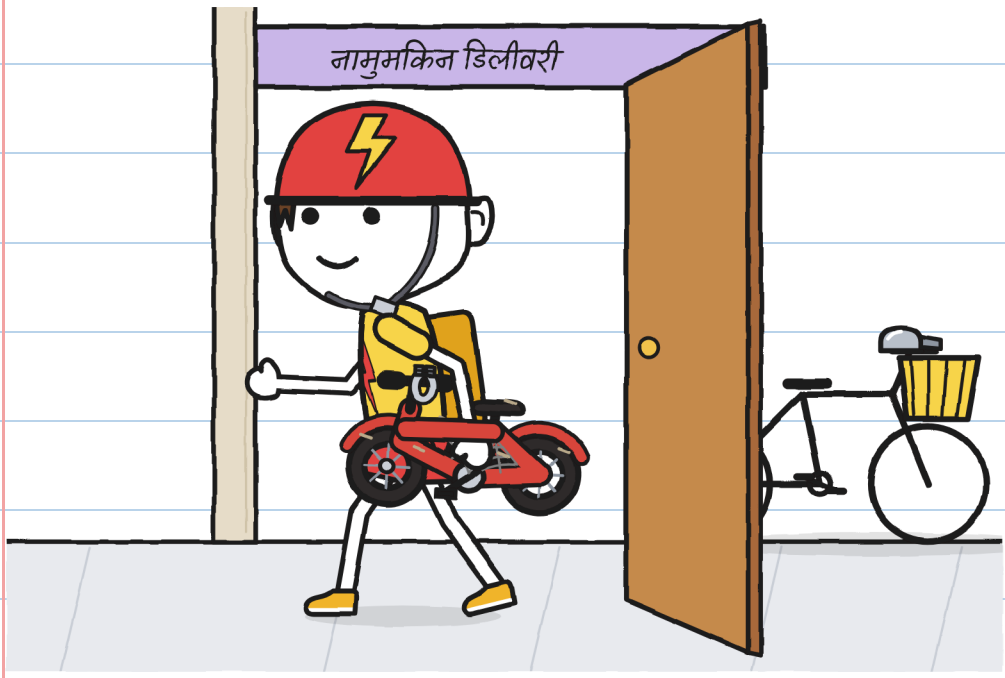

वह उसकी बचपन वाली साइकिल थी।

“मुझे वह आवाज़ याद-सी है,” टोन्यो ने कहा।

“मैं नं. 3 खोलना चाहता हूँ।”

मारा हमें पीछे वाले कमरे में ले गई।

“खोलना दस्तख़त करना नहीं है।”



“क्या मैं रुकूँ?” जूलिता ने पूछा।

“बिना छुए,” टोन्यो ने कहा।

“मैं कुछ नहीं छूती।”

टोन्यो ने डोरी खोली। काग़ज़ के बीच...

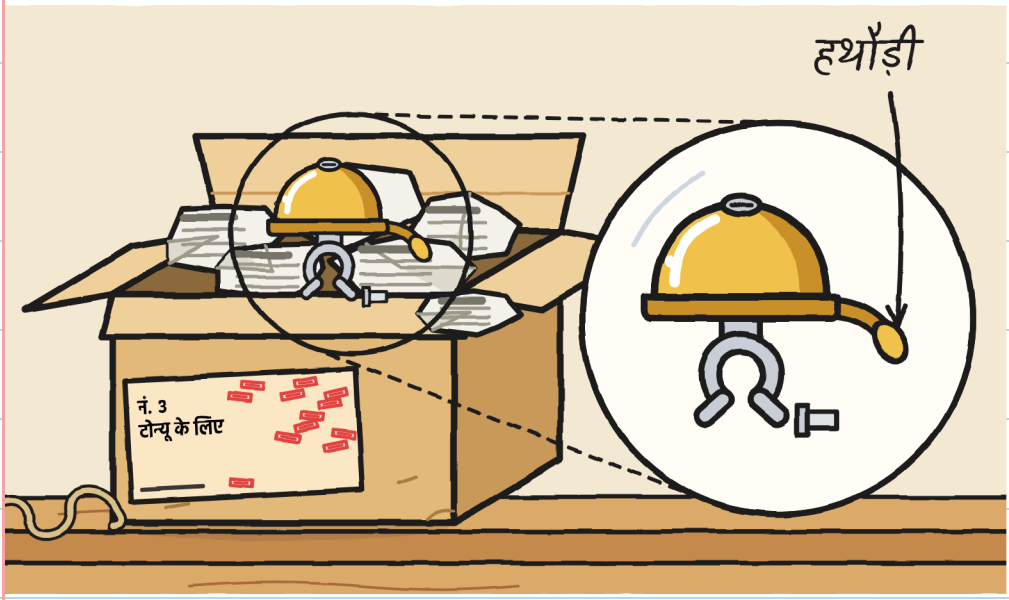

साइकिल की एक घंटी, छोटी और सुनहरी।
नं. 1 काटता था। नं. 2 भागता
था। नं. 3 बस बजता है।

एक घंटी। मुझे पसंद है। –ज.

नीचे एक तह की हुई पर्ची थी।

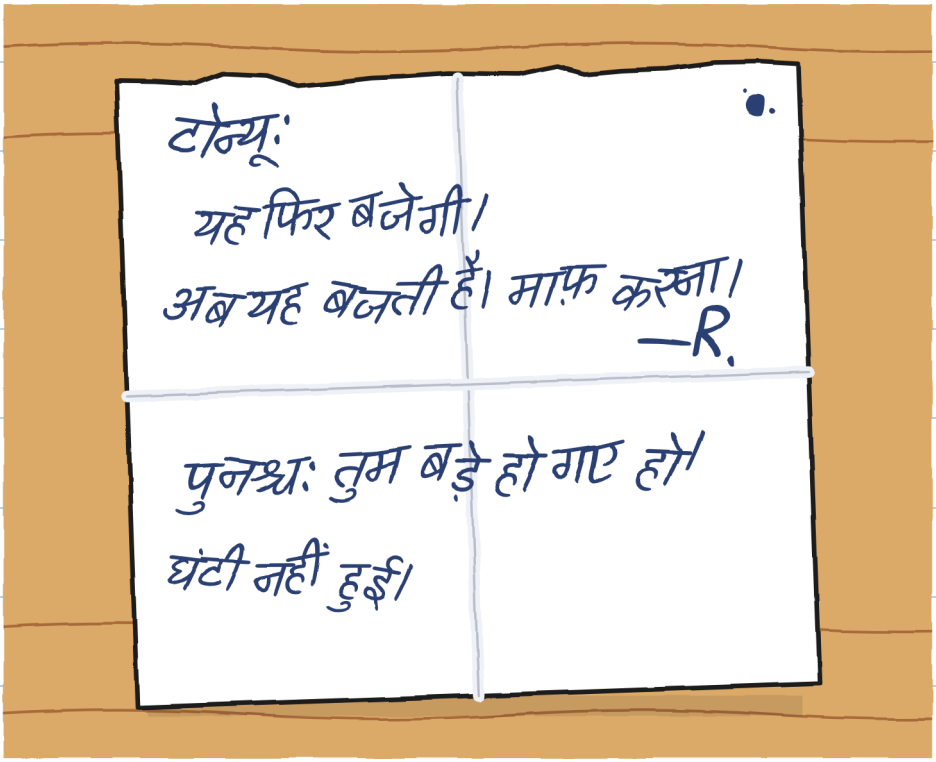

टोन्यो ने उसे दो बार पढ़ा।
"कितनी बुरी लिखावट है," उसने कहा।

R. वादा देर से निभाता है। –ज.

तभी टोन्यो ने छोटी साइकिल मेज़ पर रख दी।

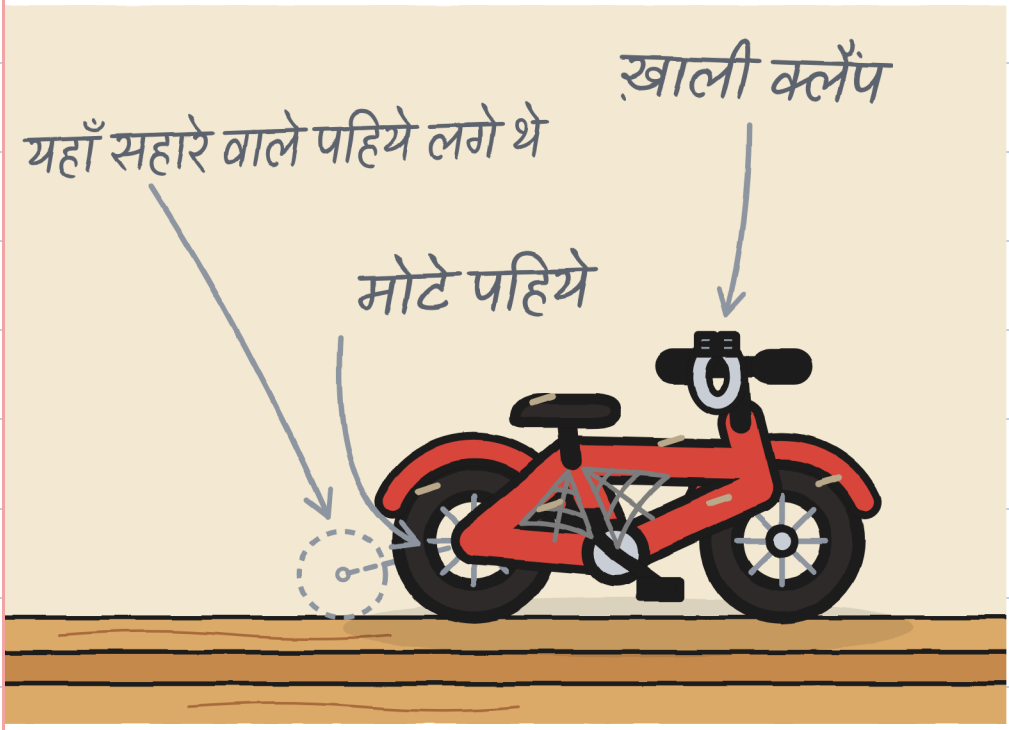

“यह मेरी थी और बजना बंद हो गई। किसी ने कहा: ‘मैं इसे ठीक कर दूँ।’ चेहरा मुझे याद नहीं।”

“घर में मुझे टोन्यू कहते हैं,” टोन्यो ने कहा।
“‘बिजली’ में टोन्यो। वहाँ निकनेम नहीं हटते।”

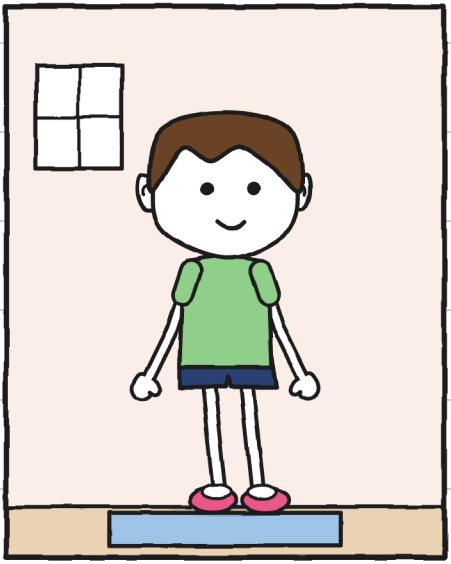

घर पर: टोन्यू

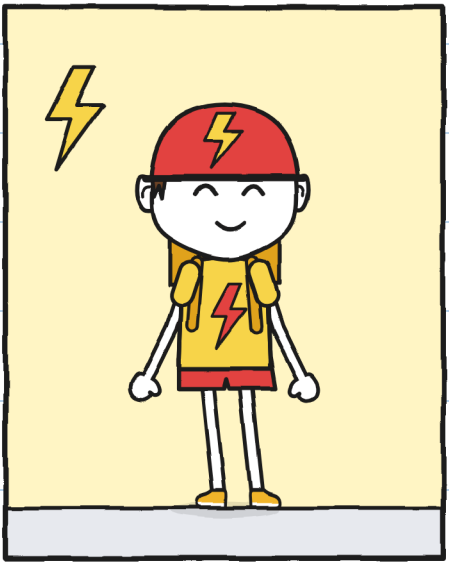

“बिजली” में: टोन्यो

“ब्रूनो ने मुझे छह बार टोन्यू
कहा है,” टोन्यो ने कहा।
जूलिता सिकुड़ गई।

"क्या तुम अब भी इसमें बैठ
सकते हो?" जूलिता ने पूछा।
टोन्यो बैठ गया।



आ गया। थोड़ा-बहुत।
मारा लगभग हँस पड़ीं। टोन्यो भी हँसा। मैंने
उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

लाल-मीटर: 01 –ज.

“इसे लगाना ज़रूरी नहीं है,” मैंने कहा।

“मुझे पता है,” टोन्यो ने कहा।

उसने मुझे ऐसे देखा जैसे

पहली बार सुन रहा हो।

जूलिता ग्यारह मिनट चुप रही, सुनती रही।

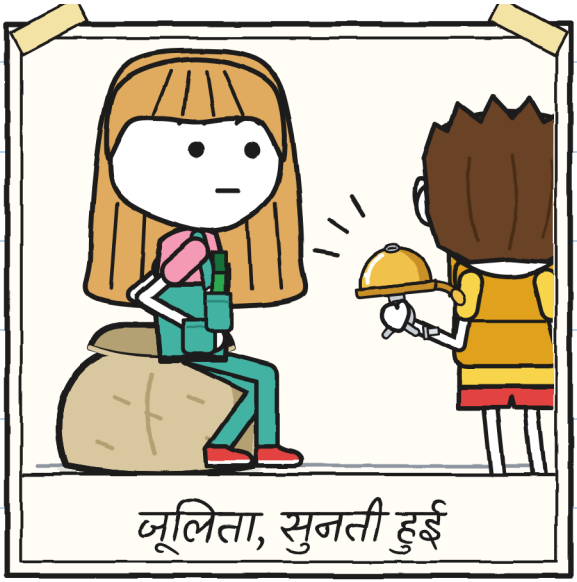

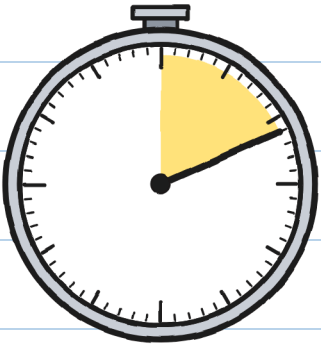

11 मिनट

ग्यारह मिनट। ज़बान सो गई। –ज.

“मैं इसे अकेले आज़माना
चाहता हूँ,” टोन्यो ने कहा।
हम बाहर निकल आए। टोन्यो
ने कमरा बंद कर लिया।
मैंने टोन्यो की सीट का चित्र बनाया।



टिन-टिन।
यह वही टिन-टिन था जो शनिवार
को सुना था। फिर एक और।

टोन्यो घंटी लेकर निकला।

"मैं इसे कल तक ले जा रहा

हूँ, बिना दस्तख़त किए।"

"सुबह होते ही यह लौट आएगा," मारा ने कहा।



चौदह घंटे बाक़ी हैं। –ज.

शुक्रवार को नं. 14 की वापसी। टोन्यो ने बताया:

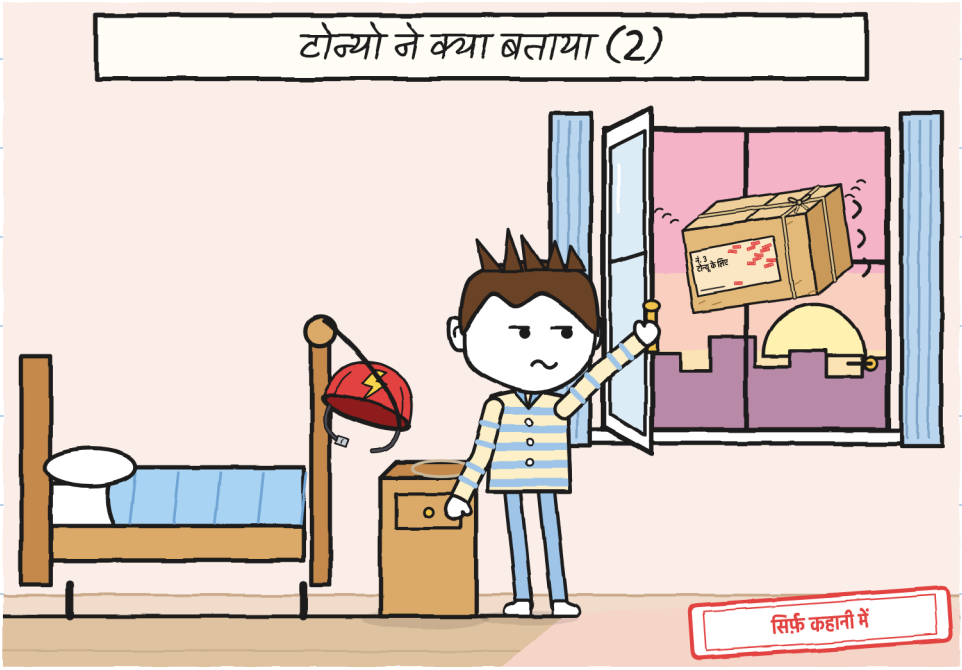

"नं. 3 मेरे सिरहाने की मेज़ पर सोया। वह शीशे पर टकरा रहा था। मैंने खिड़की खोल दी।"

कितना शिष्ट। –ज.

मैंने टोन्यो की दोनों साइकिलें
बनाईं। मैंने घंटी जोड़ दी।
जूलिता ने उस पर एक पर्ची चिपका दी।



पहले अब

वह सही थी। मुझे थोड़ा बुरा लगता है।

अध्याय 5

अकेले में

नं. 3 अपने शेल्फ़ पर था, चौदह मुहरों के साथ। टोन्यो उसे दूर से देख रहा था। जूलिता कुछ तैयार कर रही थी। मुझे डर लगा। वह दो विकल्पों वाली एक शीट थी।



“अगर मैं दस्तख़त करूँ,
तो किसे पता चलेगा?”
“मुझे और मेरी किताब को।
मैं ‘बिजली’ को नहीं बताती।”



नाम दराज़ में। –ज.

“मैं B चुनता हूँ, पीछे वाले
कमरे में,” टोन्यो ने कहा।
जूलिता उछली नहीं: मैंने उसे बहुत शांत देखा।
“तुम दोनों के साथ।”

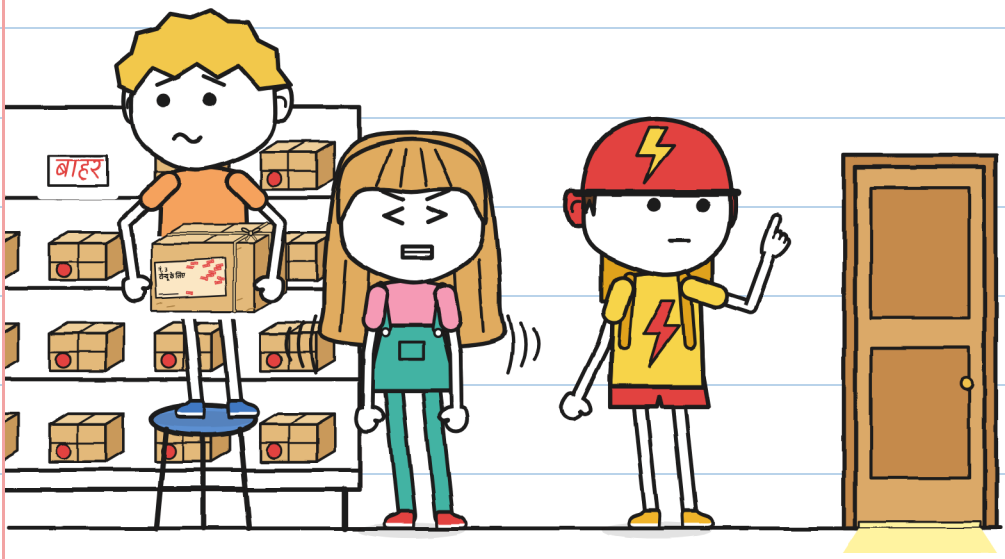

टोन्यो ने घंटी और पर्ची निकाली।
"दस्तख़त करने से पहले मैं देखता
हूँ कि क्या दस्तख़त कर रहा हूँ।"
जूलिता गुलाबी हो गई,
अपनी टी-शर्ट की तरह।



जूलिता एक बोरे पर बैठ गई।

“क्या कर रही हो?” मैंने पूछा।

“अपने हाथों पर बैठी हूँ,

ताकि मदद न कर सकूँ।”

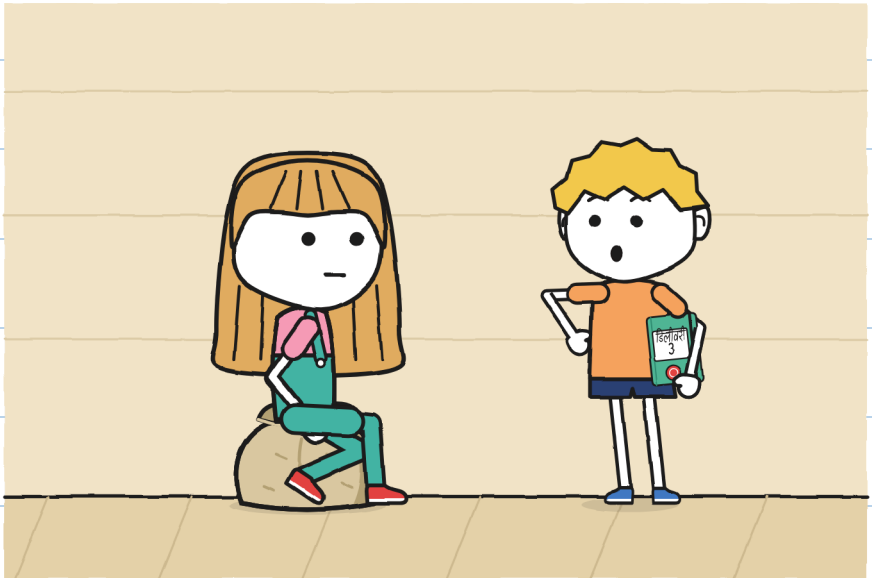

मैंने डायरी बंद कर दी।

फिर उसने सब लिख लिया। –ज.

टोन्यो ने मार्कर की टोपी
खोली और दस्तख़त कर दिए।



लेबल पर "टोन्यू" लिखा
था। दस्तख़त में "टोन्यो"।
"दस्तख़त वही करता है
जो पाता है," मारा ने कहा।

मारा ने डिलीवरी दर्ज की।

"क्या मैं पोस्टर बदल सकती हूँ?" जूलिता ने टोन्यो से पूछा।

"ठीक है।"

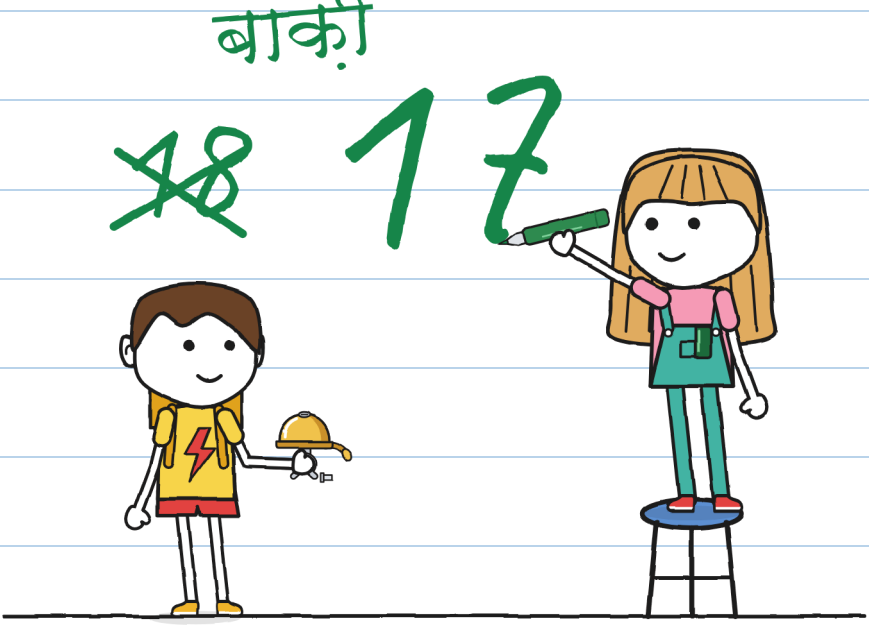

मैंने पहले पूछ लिया था। लिख लो। –ज.

“और ‘बिजली’ की बेल?” मैंने पूछा।

“वह ‘बिजली’ की है। यह मेरी है।”

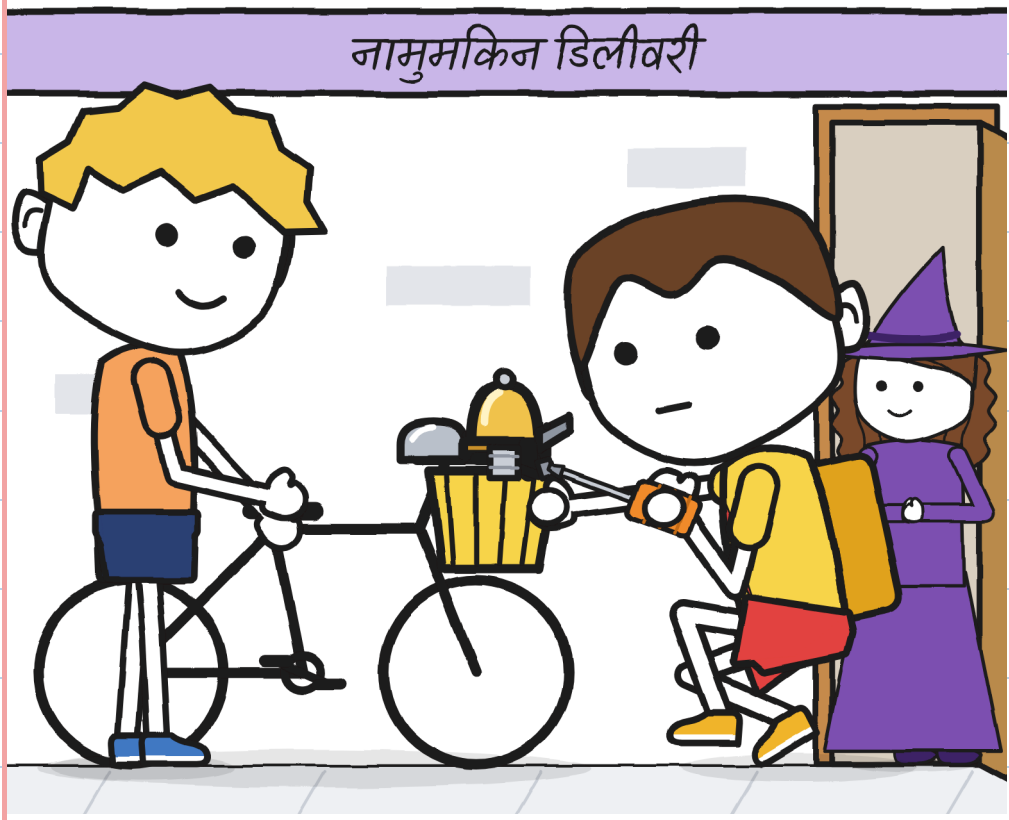

टोन्यो ने घंटी लगाई। मैंने साइकिल थामी।

टिन-टिन।

“यह क्या बज रहा है?” ब्रूनो ने पूछा।

“मेरी घंटी,” टोन्यो ने कहा।

मैंने उसके कान देखे: ज़रा भी लाल नहीं।

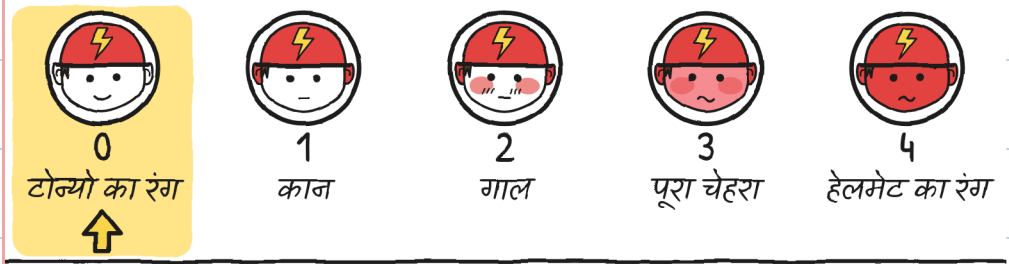



“मेरा नाम टोन्यो है। और तुम्हारा?”

“ब्रूनो।”

टोन्यो ने घंटी बजाई: टिन-टिन।

"अच्छा बजता है," ज़ोई ने कहा।

"हमें देर हो रही है, टोन्यो।"

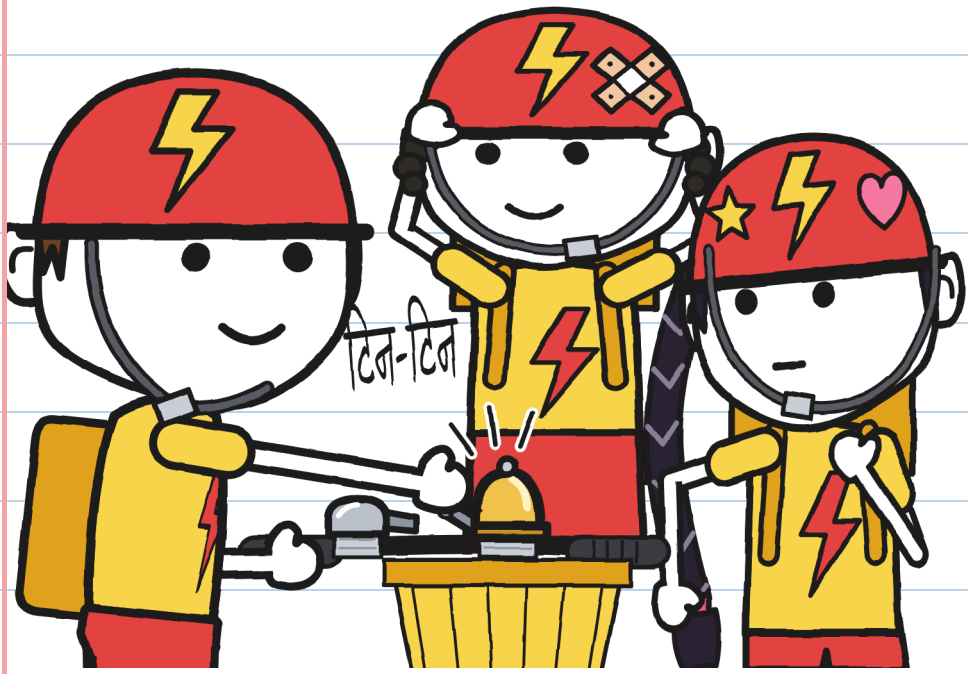

उसने कहा "टोन्यो"। बस। –ज.

उस रात मैंने परदा ऊपर छोड़ दिया।
"फिर निगरानी?" मम्मी ने कहा।
"आज मैं यह निगरानी
कर रहा हूँ कि कुछ न हो।"

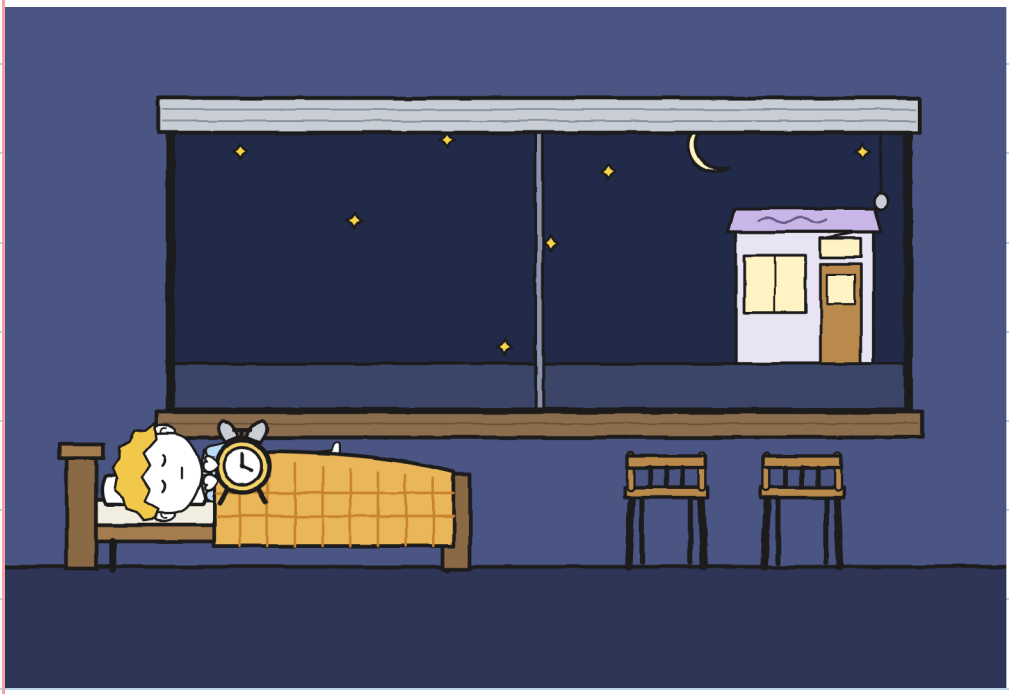

मारकर खुला। तकिया हरा। –ज.

सुबह हुई।
कुछ नहीं बजा।
एक भी टिन-टिन नहीं।
यह मेरी सड़क की सबसे प्यारी ख़ामोशी है।



अध्याय 6

फ़िलहाल

शनिवार को मैंने शेल्फ़ का चित्र बनाया।

सत्रह पार्सल। तीन ख़ाली जगहें।

मारा ने लेबल अपनी किताब में चिपका दिया।

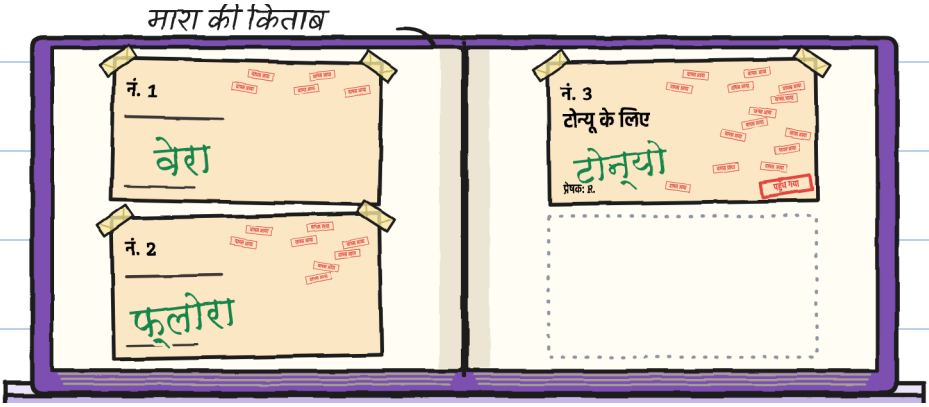

तीनों देर से पहुँचे। तीनों पहुँचे।

मैंने बस मार्कर पकड़ाया। –ज.

टोन्यो अपने बक्से पर बैठा।

"तुम्हारी सीट, फ़िलहाल," मारा ने कहा।

"फ़िलहाल मेरे लिए ठीक है," टोन्यो ने कहा।

बाक़ी
17

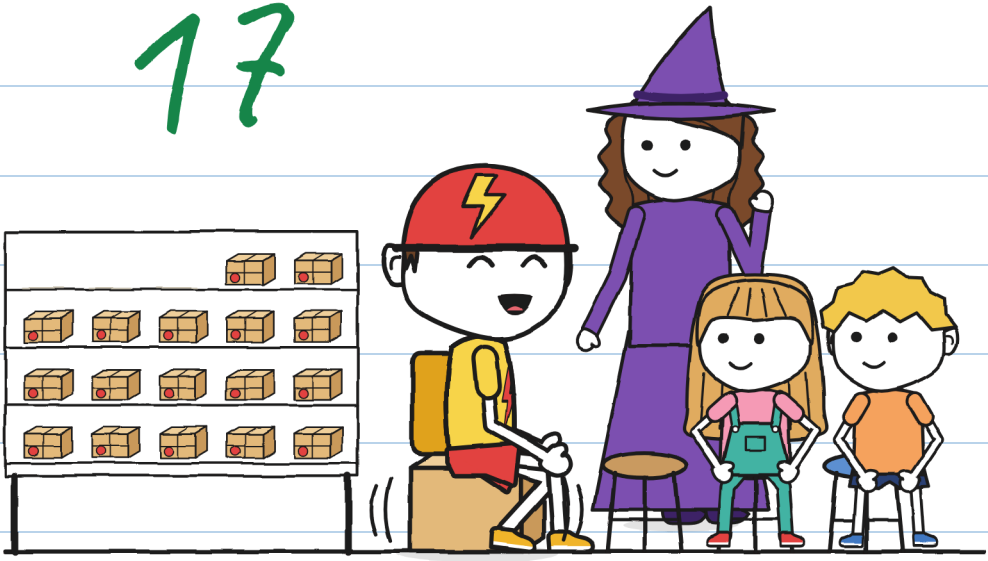

"फ़िलहाल" सालों तक चल सकता है। –ज.

मैंने टोन्यो को अपनी सीट का चित्र दिखाया। उसमें पूरा हफ़्ता लगा।

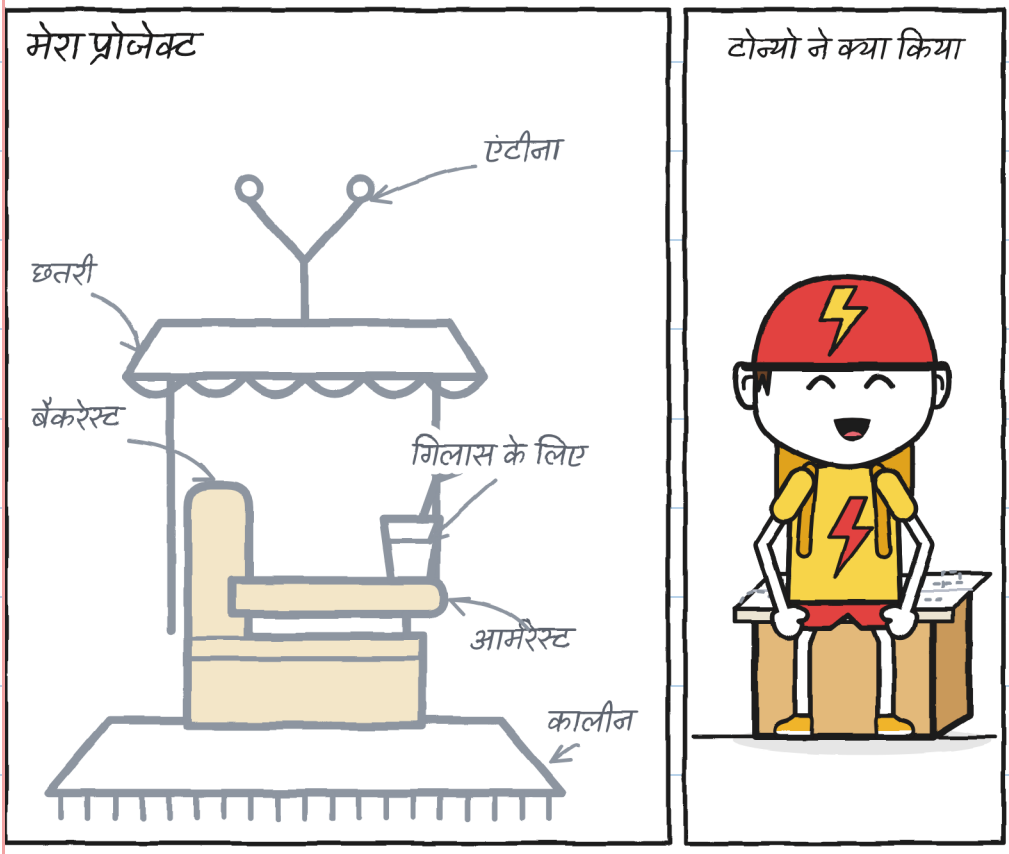

"क्या यह मुझे दे दोगे?"
उसने उसे मोड़ा और उस पर बैठ गया।

“मैं पकड़े रखता हूँ,” मैंने कहा।

“मैं कर लूँगा,” टोन्यो ने कहा।

मैं उस पेच को देख रहा था।

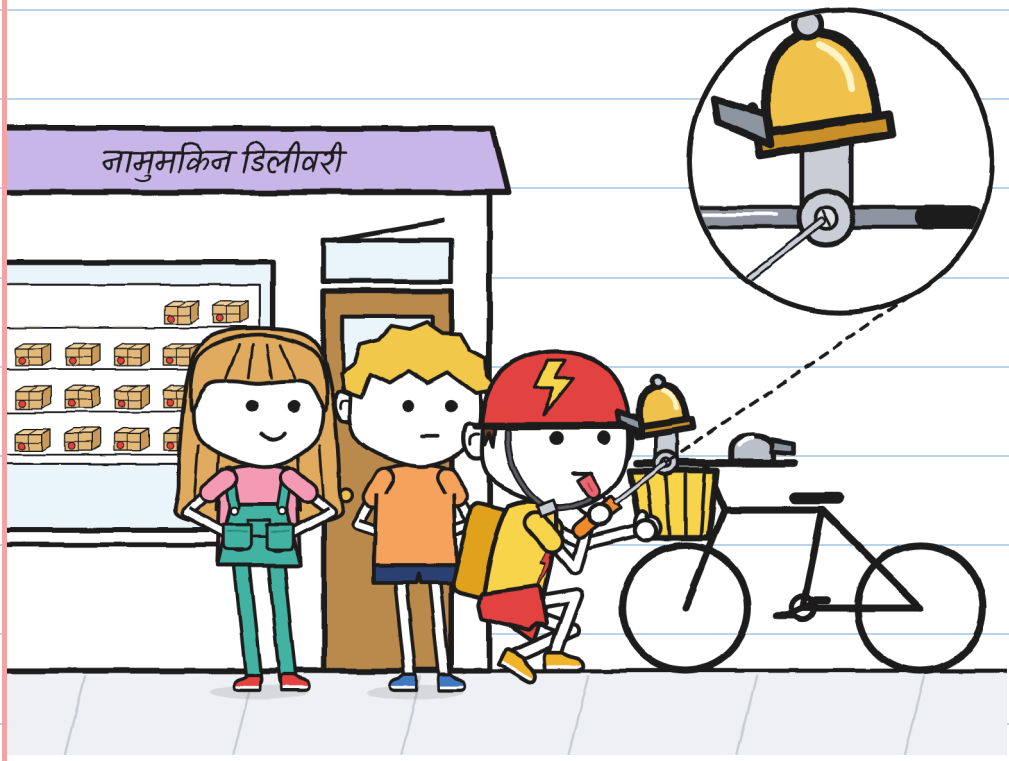

जूलिता ने ऑटोग्राफ़ वाली शीट निकाली।
"क्या तुम मुझे सचमुच
वाला ऑटोग्राफ़ दोगे?"
टोन्यो ने शीट के नीचे देखा।
"ठीक है।"

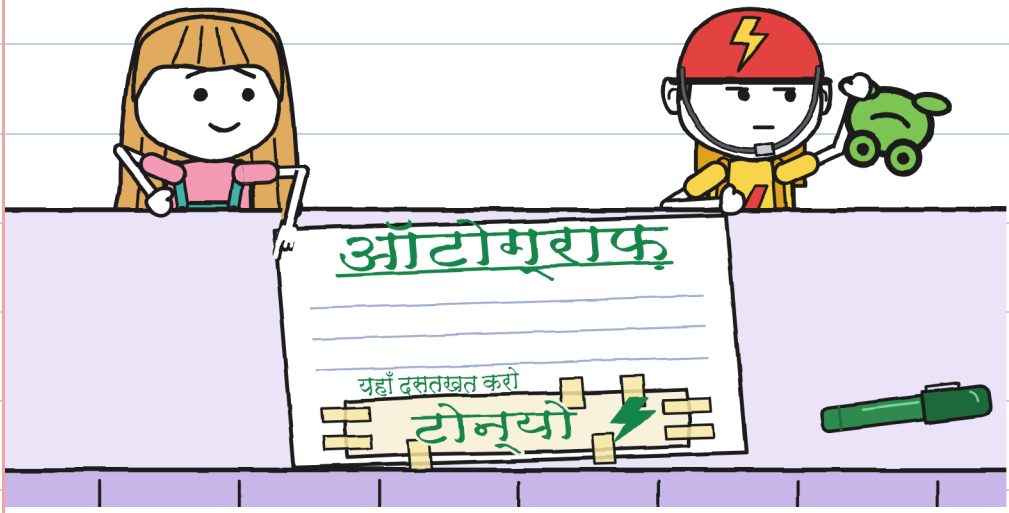

मैं इसी लायक़ हूँ। –ज.

टोपी पहने एक बुज़ुर्ग धीरे-
धीरे सड़क पार कर रहे थे।
टोन्यो रुका और इंतज़ार किया।
टिन-टिन।

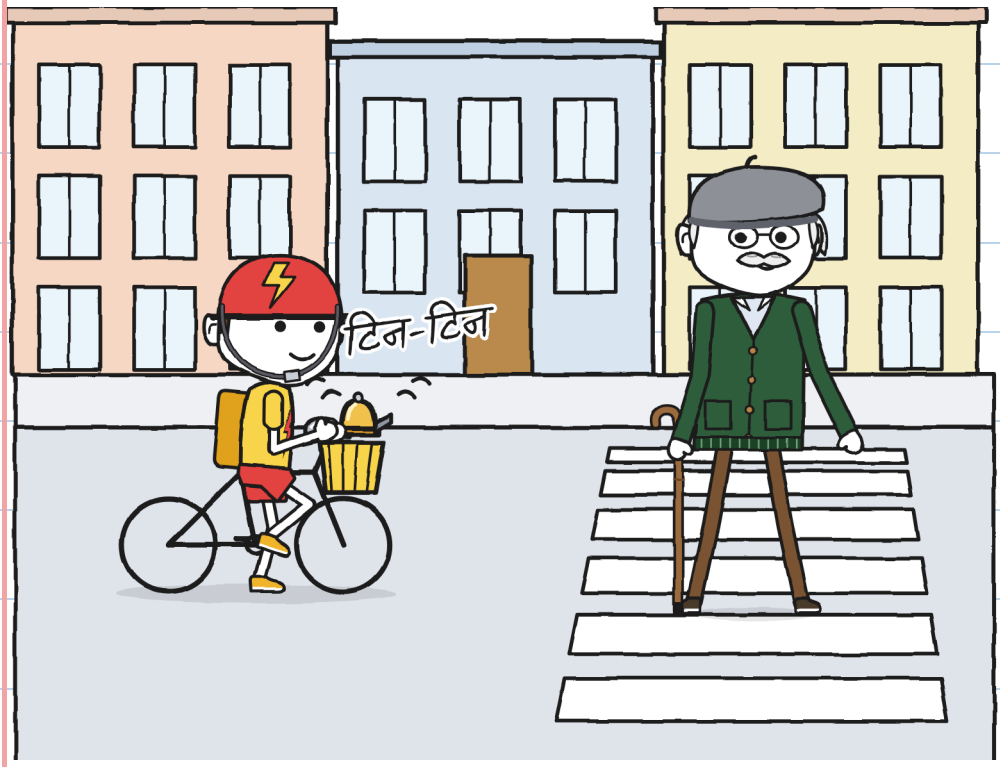

बुज़ुर्ग ने सलाम करने के लिए छड़ी उठाई।

“ये दादा अंतोनियो हैं,
दूसरे टोन्यू,” मारा ने कहा।
“नाम बदल लें?” बुज़ुर्ग ने पूछा।
“फ़िलहाल नहीं।”

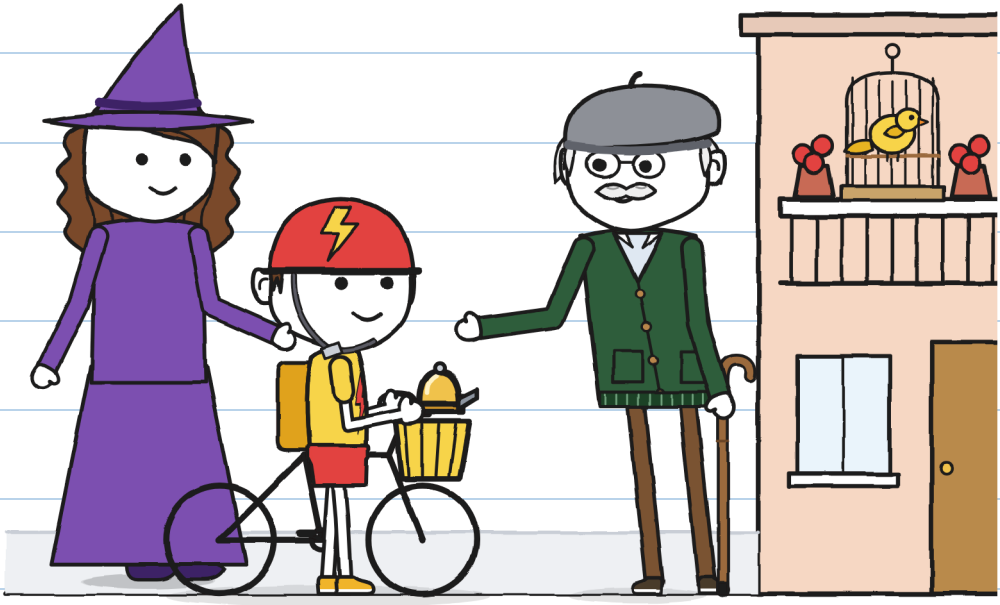

R. के कार्ड में पहले से छह सुराग़ थे। हमने दो और जोड़े।

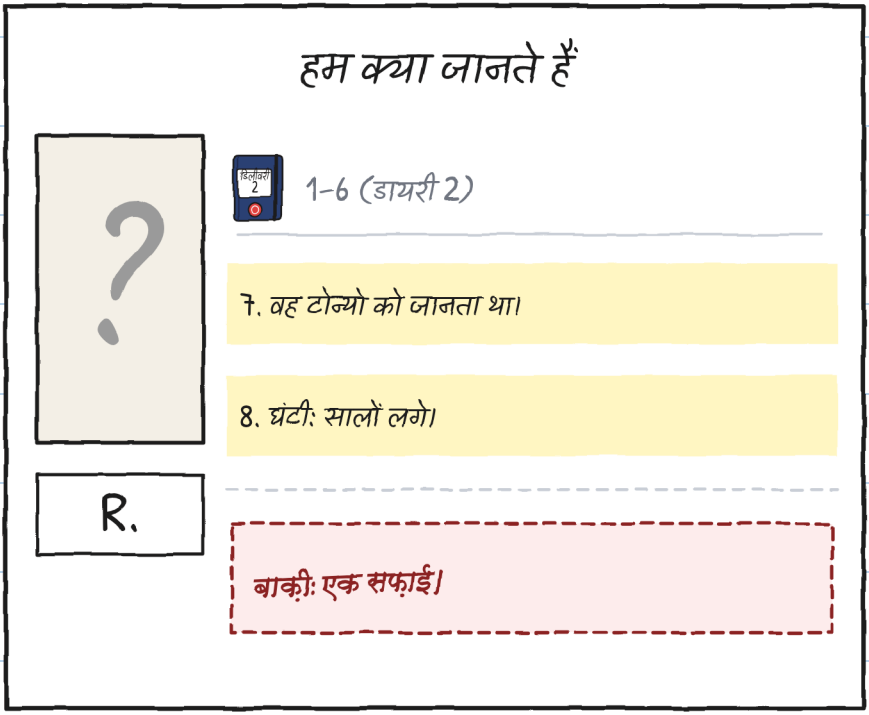

"क्या तुम उसे धन्यवाद दोगे?" जूलिता ने पूछा।
"धन्यवाद भी और शिकायत भी। दोनों।"

एक बजे वेरा चूरा के साथ आई।

"चूरा को उतरने की सुरक्षित जगह चाहिए।"

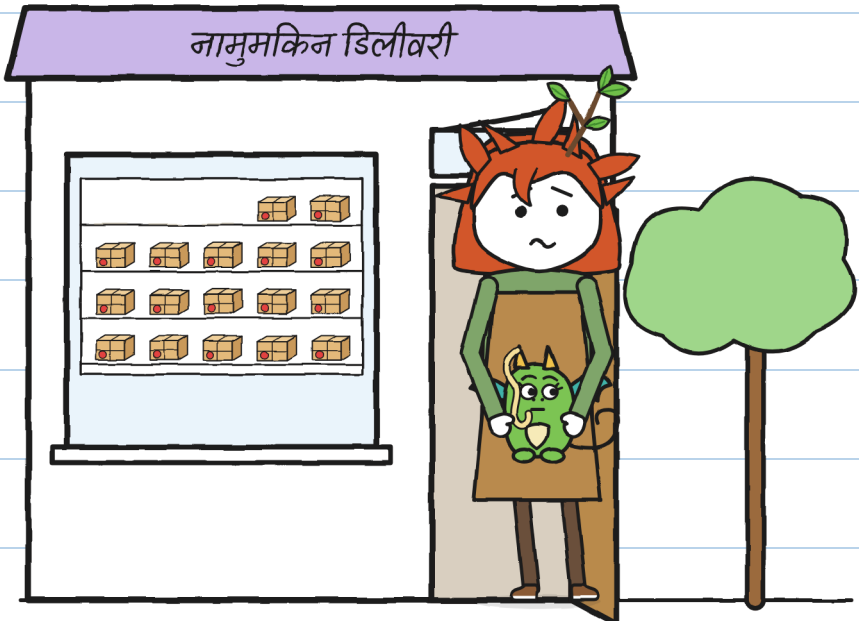

चूरा ने मेरी "मैंने नहीं किया" वाली शक्ल बना ली।

तुम्हारी वाली, हू-ब-हू। सेवई समेत। –ज.

"क्या आपको किसी तेज़ आदमी
की ज़रूरत है?" टोन्यो ने पूछा।
"इंतज़ार करना आना चाहिए," वेरा ने कहा।
"मुझे आता है।"

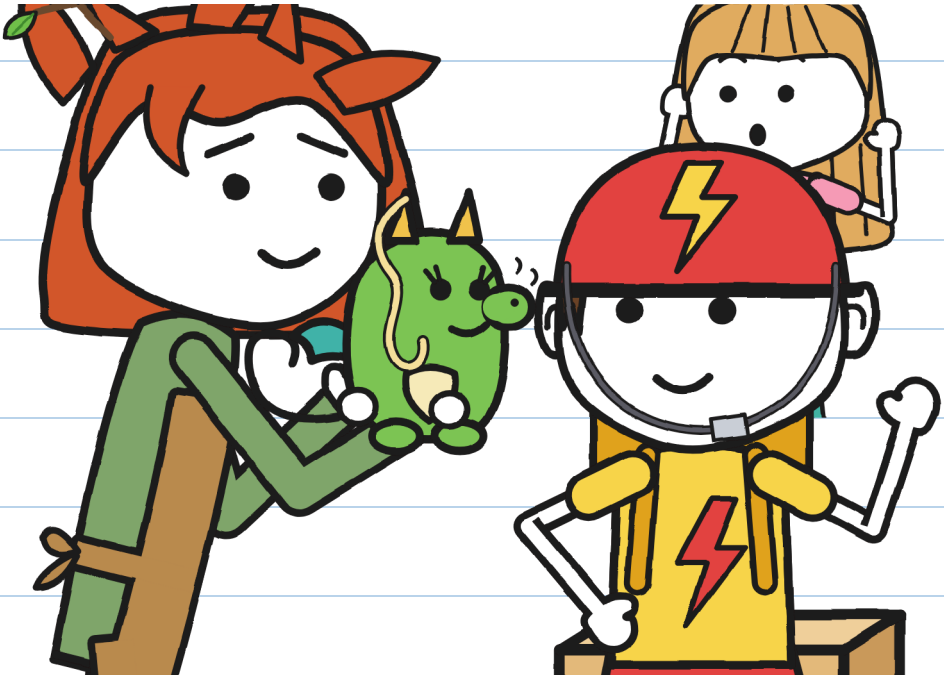

मैं भी इंतज़ार करना जानती हूँ। अब हो गया? –ज.

डिलीवरी नं. 3। हर किसी को कितना समय लगा:

	"बिजली": दस मिनट।
	R..: सालों।
	टोन्यो: छह दिन।
	ज़ूलिता: ग्यारह मिनट।

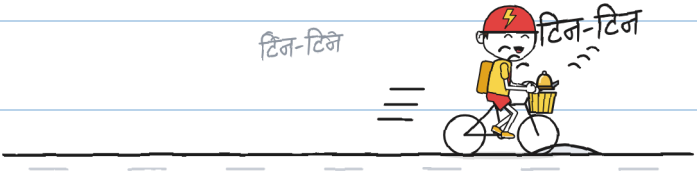

टोन्यो डिलीवरी पर निकला। टिन-टिन बजा। इस बार घंटी वह बजा रहा था।

मैं अब भी अकेली बजती हूँ। –ज.

नामुमकिन डिलीवरी · ५

(बहुत जल्द)

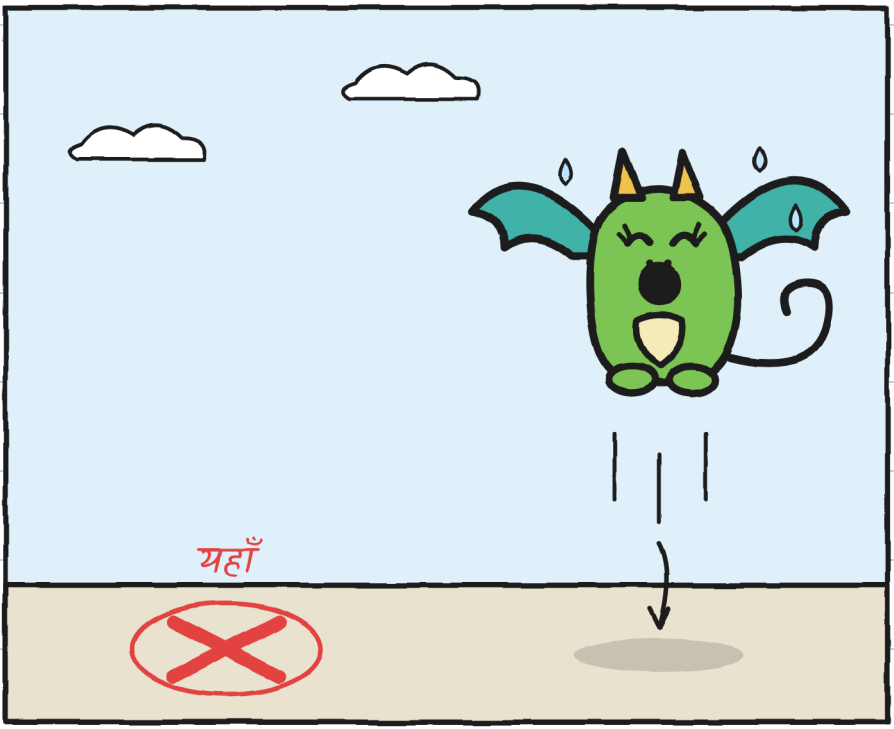

चूरा कहाँ उतरेगी? –ज.

मोहल्ला (वर्ज़न 3)

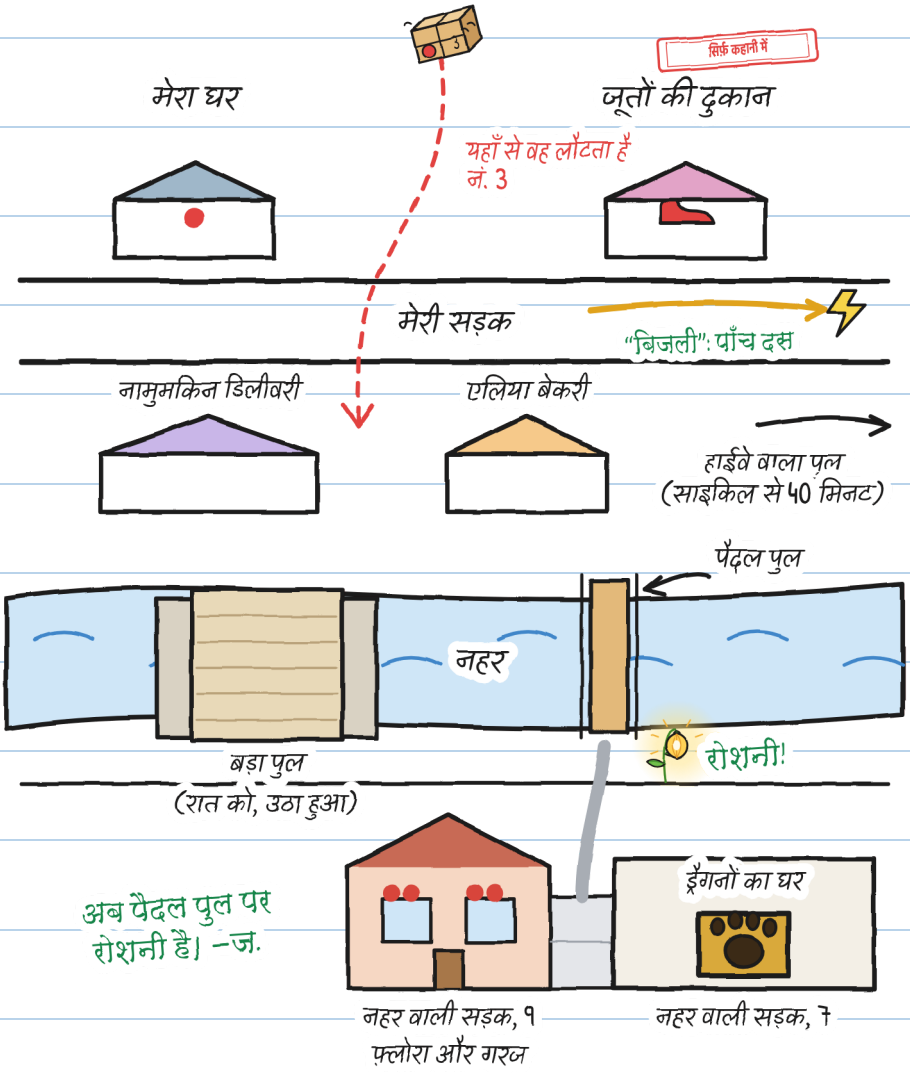
सिर्फ़ कहानी में
मेरा घर
जूतों की दुकान
यहाँ से वह लाँटता है
नं. 3
मेरी सड़क
"बिजली": पाँच दस
नामुमकिन डिलीवरी
एलिया बेकरी
हाईवे वाला पुल
(साइकिल से 40 मिनट)
पैदल पुल
नहर
रोशनी!
बड़ा पुल
(रात को, उठा हुआ)
अब पैदल पुल पर
रोशनी है। –ज.
इंगनों का घर
नहर वाली सड़क, १
फ़्लोरा और गरज
नहर वाली सड़क, ७

और तुम्हें क्या कहकर बुलाएँ?

टोन्यो को टोन्यू कहते थे। अब वह
अपना नाम चुनता है। और तुम?

मुझे इस नाम से बुलाओ...

मुझे इस नाम से भी बुला सकते हो...

मुझे इस नाम से मत बुलाओ...

मैं जूलिता हूँ। दस्तख़त करूँ तो "ज."। –ज.

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ।

साइज़ XXS · PRE-A1

मारा और टोन्यो हँसते हैं। क्या तुम्हें लाल साइकिल दिखती है?

साइज़ XS · A1

मारा लगभग हँस पड़ी। टोन्यो भी हँसा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ S · A2

मारा ने एक आवाज़ निकाली, लगभग हँसी जैसी। टोन्यो भी हँस पड़ा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ M · B1

मारा ने एक आवाज़ निकाली। वह हँसी जैसी थी। टोन्यो भी हँस पड़ा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ L · B2

मारा ने ऐसी आवाज़ निकाली जो किसी और के मुँह से हँसी होती। टोन्यो भी हँस पड़ा। मैंने उसे शनिवार के बाद से हँसते नहीं देखा था।

साइज़ XL · B2–C1

सचित्र उपन्यास · 13+

CEFR *के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।*

वही टिन-टिन। –ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com *पर करो*

असली साइकिल: क्या करें

1. हेलमेट हमेशा, और ठीक से बँधा हुआ। "बस यहीं पास तक जाना है" हो तब भी।
2. ऐसे चलो कि लोग तुम्हें देख और सुन सकें: लाइटें, चमकीले कपड़े और बेल। बेल सावधान करती है; हुक्म नहीं चलाती।
3. हैंडल पर दोनों हाथ। अगर कुछ तुम्हारा ध्यान भटकाए, तो किसी सुरक्षित जगह पर रुको।
4. फ़ुटपाथ पैदल चलने वालों का है: वहाँ साइकिल हाथ से पकड़कर पैदल ले जाओ। सड़क पार करने से पहले रुको और देखो।

"सिर्फ़ कहानी में" वाली मुहर बताती है कि कहानी में क्या होता है, सड़क पर नहीं।

अपनी साइकिल जाँचो

